मनेन्द्रगढ़

06 जुलाई 2025 रविवार

दैनिक

मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना और मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

यश दयाल पर यौन...

@ पेज 7

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास का रीडिंग केन्द्र न्यू मार्केट टी.टी. नगर में

भोपाल। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली का विक्रय केन्द्र बीएसएनएल परिसर न्यू मार्केट टी.टी. नगर में खोला गया है। इस केन्द्र में रीडिंग लाउंज की व्यवस्था भी है। यह केन्द्र प्रातः 10:30 से शाम 6 बजे तक संचालित होता है। इस केन्द्र में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत तथा ब्रेल लिपि से संबंधित पुस्तके उपलब्ध है। रीडर्स की मांग पर अन्य भाषाओं की पुस्तके भी उपलब्ध कराई जाती है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस आशय की जानकारी समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर दी है। जिला शिक्षा अधिकारियों से इस केन्द्र का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिये कहा गया है। इस केन्द्र में रीडर्स को 100 रूपये में और संस्थाओं को 500 रूपये में लाईफ टाईम की सदस्यता प्रदान करने की सुविधा है। उपभोक्ता को पुस्तक क्रय के संबंध में 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाती है। केन्द्र से 200 रूपये से अधिक पुस्तक खरीदने पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास नई दिल्ली द्वारा स्वयं के व्यय से पाठक के पते पर पुस्तक भेजने की सुविधा भी है।

अहमदाबाद प्लेन हादसा, आरोप- एयरलाइन मुआवजा देने से बच रही

नई दिल्ली/लंदन (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में जान गंवाने वाले यात्रियों के परिजन को एअर इंडिया मुआवजा देने से बचना चाहती है। यह आरोप 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ने वाली ब्रिटेन की कानूनी फर्म स्टीवर्ट्स ने लगाए हैं। स्टीवर्ट्स 40 से ज्यादा पीड़ित परिवारों का केस लड़ रही है। फर्म के एडवोकेट पीटर नीनन ने कहा है कि एअर इंडिया ने मुआवजा देने से पहले परिवारों से कानूनी रूप से संवेदनशील वित्तीय जानकारी मांगी, जिससे उनका हक कम हो सकता है। उधर, एअर इंडिया ने आरोपों को नकार दिया है। नीनन ने कहा कि एअर इंडिया पीड़ित परिवारों के साथ अनैतिक और अपमानजनक व्यवहार कर रही है। एअर इंडिया इस तरह से व्यवहार कर लगभग 1,050 करोड़ रुपए बचाने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने मामले की जांच की मांग भी की है। वहीं, उन्होंने अपने क्लाइंट्स को सलाह दी है कि वे फॉर्म न भरें और मुआवजा पाने के लिए कानूनी रास्ता अपनाएं। अहमदाबाद में एअर इंडिया का प्लेन क्रैश 12 जून को हुआ था। उस वक्त विमान में 242 लोग सवार थे। इनमें एक यात्री की जान बच गई थी। इसके अलावा, जिस मेडिकल हॉस्टल पर विमान गिरा था, वहां 29 लोगों की जान गई थी। इस तरह इस हादसे में 270 लोगों की जान गई थी।

कोलकाता लॉ स्टूडेंट गैंगरेप केस- क्राइम सीन रीक्रिएट किया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को लॉ कॉलेज स्टूडेंट से गैंगरेप की जांच के सिलसिले में क्राइम सीन रीक्रिएट किया। पुलिस गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों के साथ साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज पहुंची थी। तीनों मुख्य आरोपियों मोनोजीत मिश्रा, मौजूदा स्टूडेंट प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद और सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को सुबह करीब 4.30 बजे कॉलेज ले जाया गया। इस प्रक्रिया को पूरा करने में करीब चार घंटे लगे। इसके बाद सभी को पुलिस स्टेशन वापस लाया गया। पुलिस के अफसर ने बताया कि जो नतीजे मिले हैं, उनसे अब महिला के आरोपों से जांच की जाएगी और बाकी सबूतों से पुष्टि की जाएगी। सुरक्षा गार्ड पिनाकी को दोपहर बाद अदालत में पेश किया जाएगा, क्योंकि उसकी पुलिस रिमांड 4 जुलाई तक है। मामले की जांच फिलहाल कोलकाता पुलिस का डिटेक्टिव डिपार्टमेंट कर रहा है। घटना 25 जून को पश्चिम बंगाल की राजधानी के कस्बा क्षेत्र में साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में हुई। 5 दिन बाद, 30 जून को कोलकाता पुलिस ने तीन मुख्य आरोपियों को 12 घंटे से भी कम समय में गिरफ्तार किया था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को बंगाल के सभी कॉलेज और यूनिवर्सिटी में छात्र संघ कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है।

निजी क्षेत्र की सहभागिता से सतत विकास की रफ्तार तेज करेगा मध्यप्रदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋषि गर्ग ने कहा है कि सतत विकास केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और आमजन की साझेदारी अनिवार्य है। उन्होंने 'विकसित मध्यप्रदेश दृष्टिपत्र की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि राज्य सरकार की रणनीति किस प्रकार सतत विकास लक्ष्यों के साथ सुसंगत है। श्री गर्ग प्राइवेट सेक्टर एंगेजमेंट इन एसीलेरेटिंग एसडीजी इंप्लीमेंटशन इन मध्यप्रदेश विषय पर गुरूवार को भोपाल में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और जीआईजेड इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई। यह कार्यशाला इंडो-जर्मन ग्रीन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट पार्टनरशिप (जीएसडीपी) परियोजना के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों (एडीजीएस) को स्थानीय स्तर पर तेज़ी से लागू करना, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और राज्य की विकास योजनाओं को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से

जोड़ना था। जीआईजेड इंडिया की परियोजना प्रमुख सुश्री हेनरीके पाईशर्ट ने इंडो-जर्मन सहयोग की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जीआईजेड राज्य सरकार को योजना निर्माण, क्षमता संवर्धन, सहभागिता और निगरानी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहा है। उद्घाटन सत्र में यूएनडीपी की रेजिडेंट रिप्रेजेंटेटिव सुश्री एंजेला लुसीगी ने वैश्विक एसडीजी प्रगति की स्थिति पर चिंता जताते हुए बताया कि वर्तमान में मात्र 12त्न लक्ष्य ही ट्रैक पर हैं। उन्होंने भारत और विशेष रूप से मध्यप्रदेश की प्रशंसा की, जहां गरीबी उन्मूलन, स्वच्छ ऊर्जा और जल सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एमपीएसआरएलएम) की सीईओ सुश्री हर्षिका सिंह ने 'लखपति दीदी' योजना सहित अन्य नवाचारों की जानकारी दी, जो निजी क्षेत्र के साथ संभावित सहयोग के नए अवसर खोलते हैं।

विशेषकर जलवायु-अनुरूप कृषि, वेस्ट मैनेजमेंट और कार्बन क्रेडिट जैसे क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर इंडो-जर्मन जीएसडीपी परियोजना का औपचारिक शुभारंभ भी किया गया। नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार श्री राजीब कुमार सेन ने एसडीजी इंडिया इंडेक्स, बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमडीपीआई), और राष्ट्रीय संकेतक फ्रेमवर्क पर विस्तृत जानकारी दी।

गुरु पूर्णिमा पर्व का होगा आयोजन

भोपाल। गुरु पूर्णिमा भारत की एक महान सांस्कृतिक परंपरा है, जो गुरु-शिष्य संबंध को आदर और श्रद्धा के साथ मनाने का पर्व है। इस अवसर पर गुरु की महानता के प्रति आदर प्रकट करने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग द्वारा 10 जुलाई, 2025 को गुरु पूर्णिमा पर्व का आयोजन वृहद स्तर पर किया जा रहा है।

संचालक, संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भोपाल सहित संस्कृति विभाग के प्रदेश के विभिन्न शहरों में स्थित संगीत महाविद्यालयों में एक साथ गायन-वादन एवं नृत्य केन्द्रित आयोजन होंगे। भोपाल में मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में 10 जुलाई, 2025 को सायं 7 बजे से %%गुरु पूर्णिमा पर्व%% का आयोजन होगा। इसमें सबसे पहले सितार-संतूर जुगलबंदी की प्रस्तुति होगी, जिसे उज्जैन की सुप्रसिद्ध संस्कृति-प्रकृति वाहने (वाहने सिस्टर्स) द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद गायन जुगलबंदी गुरु सुमिरन होगी, जिसे सुश्री रुचिरा केदार, पुणे एवं सुश्री आस्था गोस्वामी, वृंदावन द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। संचालक श्री नामदेव ने बताया कि शासकीय संगीत महाविद्यालय, नरसिंहगढ़ में सुश्री मधुमिता नकवी, भोपाल का गायन और सुश्री पलक पटवर्धन, उज्जैन का कथक समूह नृत्य की प्रस्तुति होगी। शासकीय संगीत महाविद्यालय, उज्जैन में श्री रोहित - राहुल मिश्रा, बनारस का गायन और सुश्री दुर्गा शर्मा, बैंगलुरु का वायोलिन वादन होगा। इसी क्रम में शासकीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर में श्री संजय सिंह, दिल्ली का गायन और सुश्री भार्गवी शर्मा, इंदौर का एकल कथक नृत्य होगा। वहीं, शासकीय संगीत महाविद्यालय, खण्डवा में डॉ. ऋषि मिश्रा, दिल्ली का गायन और श्री सुरेन्द्र स्वर्णकार, उज्जैन द्वारा बांसुरी वादन की प्रस्तुति दी जाएगी।

इसी तरह शासकीय संगीत महाविद्यालय, मंदसौर में सुश्री योगिनी - श्री सुदीप, ग्वालियर का गायन और श्री विठ्ठल कुमार राजपुरा, इंदौर का पखावज वादन होगा। शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर में डॉ. लवली शर्मा, खैरागढ़ का सितार वादन और श्री मनोज पाटीदार, भोपाल का तबला एकल वादन होगा। शासकीय संगीत महाविद्यालय, इंदौर में श्री यश देवले, ग्वालियर का शास्त्रीय गायन और सुश्री नीलांगी कलंतरे, जबलपुर का कथक समूह नृत्य प्रस्तुति होगी। शासकीय संगीत महाविद्यालय, धार में श्री विजय सप्रे, भोपाल का शास्त्रीय गायन और डॉ. वी. अनुराधा सिंह, भोपाल की कथक समूह नृत्य की प्रस्तुति होगी।

ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और नॉलेज शेयरिंग के लिये आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईटी, मेनिट एवं सीपीआरआई से भागीदारी

भोपाल। ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और नॉलेज शेयरिंग के लिये आईआईटी, आईआईएम, आईआईआईटी, मेनिट एवं सीपीआरआई से भागीदारी की शुरुआत की जा रही है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मण्डलोई की उपस्थिति में गुरुवार को इन संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ इस संबंध में सम्मेलन हुआ। सम्मेलन में प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किये। सम्मेलन में ऊर्जा कम्पनियों की तकनीकी एवं वाणिज्यिक हानियों को अलग-अलग करने, वितरण नेटवर्क की योजना एवं ग्रिड स्थिरता, नवकरणीय ऊर्जा संयंत्रों के इनवर्टर से रिएक्टिव पॉवर क्षतिपूर्ति, कृषि आधारित पम्प लोड एवं मौसमी मांग पूर्वानुमान, क्षति पहचान एवं

मांग विश्लेषण के लिये डेटा एनालिसिस, आउटेज पूर्वानुमान और सम्पत्ति प्रबंधन के लिये एआई के उपयोग के संबंध में गहन विचार-विमर्श हुआ। प्रतिनिधियों ने विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिये संयुक्त अनुसंधान, फील्ड स्टडी और तकनीकी परियोजनाओं में काम करने में रुचि जताई। यह सम्मेलन बिजली वितरण क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव, शैक्षणिक ज्ञान और अनुसंधान क्षमताओं को एक साझा मंच पर लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सम्मेलन में एमडी एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी श्री अविनाश लवानिया और एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी श्री क्षितिज सिंघल ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

विचारधारा न पसंद आए तो लोगों को नक्सली कहते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि अगर किसी का काम या विचारधारा पसंद नहीं आए तो उसे नक्सल करार देने का चलन बढ़ रहा है।

पवार ने शिवसेना की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) मनीषा कायंदे की टिप्पणी पर यह बात कही। विधान परिषद सदस्य कायंदे ने बुधवार को विधान परिषद में दावा किया था कि अर्बन नक्सलियों ने वारी वार्षिक तीर्थयात्रा में घुसपैठ कर ली है और वे वारकरियों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। पवार ने बृहस्पतिवार को कहा, मुझे इस बारे में पूरी जानकारी

नहीं है। लेकिन जिन दो संगठनों के नाम मीडिया में आए हैं, उनमें से एक है लोकायत। मैंने लोकायत का काम देखा है। पवार ने कहा, '' इस संगठन का दृष्टिकोण आधुनिक है और पिछले कई सालों से रूढ़िवादिता के खिलाफ काम कर रहा है।

वे नक्सली नहीं हैं। अगर किसी का काम या विचारधारा स्वीकार नहीं है तो उसे नक्सली करार देने का चलन बढ़ रहा है। पवार ने कहा कि पुणे में एल्गार परिषद (31 दिसंबर 2017) और कोरेगांव भीमा (एक जनवरी 2018) में जाति हिंसा के बाद माओवादियों के साथ संबंध रखने के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने दावा किया, ''यहां भी यही हो सकता है (वारी का जिक्र करते हुए)। आज, राज्य सरकार उन विचारधाराओं के लिए लोगों को नक्सली करार दे रही है, जो उसे स्वीकार नहीं।''

पवार ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी, शिवसेना (उबाठा) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा पांच जुलाई को आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम में हिस्सा लेगी जिसमें तीन नीति के मुद्दे पर

स्वराज की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के सशस्त्र बल और नेतृत्व स्वराज या देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह बहुत अच्छे ढंग से प्रदर्शित हुआ। पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में मराठा राजनेता और जनरल पेशवा बाजीराव प्रथम की घुड़सवार प्रतिमा के अनावरण के बाद बोलते हुए, भाजपा नेता ने यह भी कहा कि जब भी वह नकारात्मक विचारों से ग्रस्त होते हैं, तो उन्हें छत्रपति शिवाजी महाराज और बाजीराव की याद आती है।शाह ने कहा कि एनडीए बाजीराव के स्मारक के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है क्योंकि यह एक ऐसा संस्थान है जहां सैन्य नेतृत्व को प्रशिक्षित किया जाता है। शाह ने कहा कि पुणे की धरती स्वराज के संस्कार का उद्गम स्थान है। 17वीं शताब्दी में यहीं से स्वराज का आलेख देशभर में पहुंचा। जब अंग्रेजों के सामने फिर से स्वराज के लिए लड़ने का समय आया तो सबसे पहले

सिंह गर्जना तिलक महाराज ने की स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।% एक व्यक्ति अपने जीवन में अपने देश के लिए कितना कर सकता है, इसका उदाहरण भी महाराष्ट्र की पुण्यभूमि से ही वीर सावरकर जी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के प्रमुख जहाँ से अभ्यास करके निकलते हैं, उस नेशनल डिफेंस अकादमी में श्रीमंत बाजीराव की मूर्ति लगने से जो प्रेरणा मिलेगी, उससे भारत की सीमाओं को कोई छू नहीं पाएगा। शाह ने कहा कि युद्ध की कला के कुछ नियम कभी कालबाह्य नहीं होते...युद्ध में व्यूह रचना का महत्त्व, त्वरा का महत्त्व, समर्पण का भाव, देशभक्ति का भाव और बलिदान का भाव...यही सेनाओं को विजय दिलाते हैं, बस हथियार बदलते रहते हैं...और इन सभी गुणों का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण 500 वर्षों के भारतीय इतिहास में केवल श्रीमंत बाजीराव पेशवा में ही मिलता है।

भारतीय परपरानुसार हुआ नव-प्रवेशित छात्राओं का स्वागत

भोपाल। सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलन कर किया। नव-प्रवेषित छात्राओं एवं अभिभावकों का स्वागत, भारतीय परंपरानुसार तिलक लगाकर एवं पुष्पवर्षा से किया गया। इसके बाद प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित कर सभी संकायों के शैक्षणिक स्टॉफ का परिचय कराया और महाविद्यालय की सुविधाओं की जानकारी दी।दीक्षारंभ के द्वितीय दिवस का शुभारम्भ एन.डी.आर.एफ. दल ने छात्राओं को आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय के पुस्तकालय, स्वशासी प्रकोष्ठ, एन. सी. सी., एन.एस.एस तथा महाविद्यालयीन छात्रावास की जानकारी दी गई।

दीक्षारंभ के तीसरे दिन छात्राओं एवं अभिभावकों को महाविद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुये महाविद्यालय के भौतिक संसाधनों का परिचय कराया गया। इसके

बाद महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने महाविद्यालय में संचालित खेल-कूद, साहित्यिक, रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं अकादमिक गतिविधियों की जानकारी दी। दीक्षारम्भ कार्यक्रम का समापन समारोह, अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुराप्रसाद एवं महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष डॉ. भारती कुम्भारें सातनकर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव ने तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम की गतिविधियों की जानकारी दी। अतिरिक्त संचालक डॉ. प्रसाद ने नव-प्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सशक्त नारी बनने के लिए प्रोत्साहित किया

टैक्नोलॉजी का साथ उच्च शिक्षा में अत्यंत उपयोगी होगा

भोपाल। प्रतिवाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदाय योजना में लैपटॉप मिलने पर विद्यार्थी अत्यंत प्रसन्न हैं और इसके लिए म.प्र.शासन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ह्रदय से धन्यवाद ज्ञापित कर रहे हैं। सुभाष एक्सीलेंस स्कूल की विद्यार्थी नीशू पंडित बताती हैं मैंने कक्षा 12 वीं में 97 प्रतिशत के साथ स्टेट मेरिट लिस्ट में स्थान हासिल किया है। मेरा लक्ष् सीए बनना है जिसके लिए टैक्नोलॉजी का साथ चाहिए। आज माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा मुझे 25 हजार रूपए की राशि प्राप्त हुई है, जिसका उपयोग मैं लैपटॉप क्रय करके करूंगी। मेरी पढ़ाई में इसका बहुत बड़ा योगदान रहेगा। माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी का बहुत - बहुत धन्यवाद। इसी विद्यालय के प्रदेश की प्रावीण्य सूची में वाण्यियम संकाय अंतर्गत चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले छात्र श्री प्रांजल कुशवाह ने भी मुख्यमंत्री से लैपटॉप प्राप्त कर उनका ह्रदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा मैं सीए की तैयारी कर रहा हूँ। इसके लिए ऑनलाइन क्लासेस एवं नोट्स बनाने में यह लैपटॉप मुझे काफी मददगार साबित होगा। भोपाल जिले के पीएमश्री शासकीय नवीन कन्या हायर सेकेण्ड्री विद्यालय की 11 छात्राओं को भी लैपटॉप की राशि मिली है। राशि मिलने पर सुश्री सिमरन पैठारी, उर्मिला सैनी, कंचन मौरे, शिवानी, जैनस्वी शर्मा, पायल साल्वे, सिया यादव, हेमलता मीणा, आशा बडोले, प्रियंक गौर एवं विक्की भरिल्ला ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का ह्रदय से धन्यवाद व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन की। स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रति विद्यार्थियों को 25 हजार रुपये की राशि लैपटॉप क्रय करने के लिये उनके बैंक खाते में अंतरित की गई है।

मेपकास्ट की गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला में इंटर्नशिप सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

भोपाल। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) की गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला द्वारा जून माह में हेण्ड ऑन ट्रेनिंग ऑन स्पेक्ट्रॉसकॉपी मेथड (एएएस, यूवी एण्ड एफटीआईआर) विषय पर इंटर्नशिप सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मंदसौर यूनिवर्सिटी के फार्मेसी विभाग के बी.फार्मा अंतिम वर्ष के 30 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पेयजल गुणवत्ता परीक्षण की विधियों के साथ-साथ यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एटॉमिक अब्सॉर्प्शन स्पेक्ट्रोस्कोपी तथा एफटीआईआर जैसे अत्याधुनिक उपकरणों पर सैद्धांतिक और प्रायोगिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों ने उपकरणों की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और नवाचार की बारीकियों को समझा। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए राज्य लघु वनोपज, बरखेड़ा पठानी, भोपाल ले जाया गया। प्रशिक्षण के समापन पर परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने फार्मेसी क्षेत्र में उभरते आयामों पर प्रकाश डाला और आधुनिक तकनीकी से निरंतर जुड़े रहने की सलाह दी।

धर्म सनातन की ध्वजा लेकर देश को आगे बढ़ाने का हो रहा है कार्य

भोपाल। धर्म सनातन की ध्वजा लेकर देश को आगे बढ़ाने का कार्य हमारे देश के संत कर रहे हैं और ईश्वर की कृपा तथा संतों के आशीर्वाद से देश और प्रदेश समृद्ध एवं खुशहाल बन रहे हैं। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सागर में आयोजित संत श्री रविशंकर रावतपुरा सरकार के जन्मोत्सव कार्यक्रम में व्यक्त किए।

इस अवसर पर संत श्री रविशंकर जी महाराज, संत श्री आनंद ब्रह्मचारी, संत श्री रामलखन महाराज, संत श्री सुदर्शन दास जी, विधायक श्री प्रदीप लारिया, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हीरासिंह राजपूत, श्री श्याम तिवारी, श्रीमती रानी कुशवाहा, श्री गौरव सिरोठिया सहित बड़ी संख्या में संत समुदाय, जनप्रतिनिधि एवं भक्तगण उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि तन, मन और जीवन को समर्पित करने वाला व्यक्ति ही संत बन सकता है, और यही कार्य हमारे संत श्री रविशंकर महाराज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्म सनातन की ध्वजा लेकर देश और प्रदेश को समृद्ध बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि रावतपुरा सरकार का संकल्प है कि 11 सदाशिव शंकर जी की मूर्तियाँ स्थापित की जाएंगी, जिनमें से सागर में 75 फीट ऊँची सदाशिव की मूर्ति का लोकार्पण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तेरा तुझको अर्पण, मेरा क्या लागे की भावना की तर्ज पर ही सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि संतों की वाणी पर कोई तर्क नहीं किया जा सकता; उनकी वाणी को श्रद्धा से ग्रहण कर उसे आगे बढ़ाने का कार्य किया जाना चाहिए। रावतपुरा सरकार द्वारा देशभर में 200 स्थानों पर शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण की संस्थाएँ संचालित की जा रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर सीएस से जवाब मांगा

दिल्ली/भोपाल। एमपी में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव से एफिडेफिट मांगा है कि जो 13त्न पद होल्ड हैं, उन पर नियुक्तियों में क्या दिक्कत है। सरकार ने साल 2019 में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए एक्ट पास किया गया था, लेकिन अमल में नहीं आ पाया।

कोर्ट नंबर 12 में जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच में सुनवाई की। यह केस सीरियल नंबर-35 पर लगा था। याचिकाकर्ता ओबीसी महासभा की ओर से एक बार फिर से मप्र की 51 प्रतिशत ओबीसी होने की दलील दी गई। मामले में मप्र हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर करीब 70 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में पहुंची हैं, उन्हीं पर आगे सुनवाई होगी। तत्काल आरक्षण देने संबंधी इस याचिका में अभी कोई राहत नहीं मिली है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि एक्ट पास होने के बाद भी उम्मीदवारों को पांच साल से 27 फीसदी आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा रहा है। सरकार 19 मार्च 2019 के हाईकोर्ट के एक पुराने अंतरिम आदेश का हवाला देकर आरक्षण से बच रही है। जबकि एक्ट पर कोई रोक नहीं है। इसे लागू किया जाए। 25 जून को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने वकील से ही पूछा था कि इंदिरा साहनी केस क्या है? इसमें आरक्षण की सीमा 50 फीसदी तय की हुई है। इस पर वकील ने कहा था कि मप्र में ओबीसी की आबादी 51 फीसदी है, लेकिन नौकरियों में केवल 13.66 फीसदी आरक्षण है।

पैसेंजर सेटिस्फेक्शन सर्वे में भोपाल एयरपोर्ट नंबर-1

भोपाल । राजा भोज एयरपोर्ट जनवरी से जून 2025 के बीच हुए पहले राउंड के पैसेंजर सेटिस्फेक्शन सर्वे में पहले नंबर पर आया है। इसके पहले हुए जुलाई से दिसंबर 2024 के दूसरे राउंड के सर्वे में राजा भोज एयरपोर्ट को 15वां स्थान मिला था। छह महीने में राजा भोज एयरपोर्ट 14 स्थान ऊपर जाकर उदयपुर और खजुराहो के साथ सर्वे में 5 में से 5 नंबर प्राप्त कर पहले नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, गया एयरपोर्ट को पैसेंजर सेटिस्फेक्शन सर्वे में दूसरा स्थान मिला है। जबकि जम्मू के साथ विजयवाड़ा का एयरपोर्ट इस सर्वे में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। देश के 60 एयरपोर्ट पर हुए जनवरी से जून 2025 के बीच के पहले राउंड के सर्वे में यह रिजल्ट सामने आए हैं।

राजा भोज एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी का कहना है कि यात्रियों ने हमारी सेवाओं को सराहा है। इसलिए हम एक बार फिर वर्ष 2023 के बाद पहले नंबर पर आ गए हैं। राजा भोज एयरपोर्ट को जमीनी परिवहन, पार्किंग की सुविधा, बैगेज कार्ट, चेकिंग स्टाफ की दक्षता सहित 33 पॉइंट पर हुए सर्वे में यात्रियों ने पिछली बार के मुकाबले ज्यादा अंक प्रदान किए।

राजा भोज एयरपोर्ट से जून 2025 में कुल 1,36,675 यात्रियों ने सफर किया। मई के आंकड़ों पर नजर डालें तो मई 2025 में भोपाल एयरपोर्ट से 1,40,621 यात्रियों ने सफर किया। इस तरह करीब 4,000 यात्रियों की कमी मई के मुकाबले जून के महीने में हुई। पिछले साल जून 2024 में यह संख्या 1,33,922 थी। इस साल जून में यात्रियों की संख्या में पिछले साल के जून के महीने के मुकाबले 2,753 की बढ़ोतरी हुई।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध होगी दंडात्मक कार्रवाई

भोपाल । पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्र ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध एवं भोपाल में जन सुरक्षा तथा लोक परिशांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा।

कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि, जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है, उन्हें प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट, जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर, भड़काकर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश, जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाएं, को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक, शेयर या फारवर्ड करेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा।

भोपाल में 12 पटवारियों के अटैचमेंट भी खत्म

भोपाल । भोपाल की 5 तहसीलों में पदस्थ 12 पटवारियों के अटैचमेंट कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने खत्म कर दिए हैं। इन्हें उनकी पूर्व पदस्थापना वाली तहसीलों में ही वापस भेजा गया है। इधर, एक अनोखा मामला भी सामने आया है। जिस पटवारी का 16 दिन पहले तबादला किया गया था, उसे ही दूसरी तहसील में अटैच कर दिया गया। बता दें कि 17 जून को 14 पटवारियों को इधर से उधर किया गया था। इनमें हुजूर में पदस्थ देवेंद्र पटेल को बैरसिया तहसील में भेजा गया था। अब अपर कलेक्टर दक्षिण ने पटेल को नजूल वृत्त टीटी नगर में कार्य संपादित करने के लिए अटैच किया है। एक अन्य पटवारी राजेंद्र पटेल को टीटी नगर से हुजूर तहसील में अटैच किया है। कलेक्टर सिंह ने 12 पटवारियों के अटैचमेंट खत्म किए हैं। इनमें शैलेंद्र सिंह को नजूल शहर से बैरसिया, दीपांशु पटेल को टीटी नगर से बैरसिया, तुषार पाटिल को टीटी नगर से बैरसिया, संजय सिंह को हुजूर से बैरसिया, विनोद कुमार द्विवेदी को हुजूर से बैरसिया, योगेश बबेले को एमपी नगर से बैरसिया, जावेद खान को हुजूर से बैरसिया, किशन कुमार सिंह को एमपी नगर से बैरसिया, शैलेंद्र जैन को बैरसिया से हुजूर, विनिता पटेल को कोलार से बैरसिया, सारिका शर्मा को कोलार से बैरसिया और मनीष पटेल को कोलार से बैरसिया भेजा गया है। भोपाल की एक ही तहसील में 3 साल से जमे करीब 50 पटवारियों को जून महीने में हटा दिया गया था। इनमें 4 राजस्व निरीक्षक भी शामिल हैं। इन्हें एक तहसील या हल्के से दूसरी तहसील में भेजा गया। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने करीब 8 महीने पहले प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप के सामने यह मुद्दा उठाया था। हालांकि, सांसद शर्मा ने जितने पटवारियों की लिस्ट कलेक्टर को सौंपी थी, उसमें से आधे भी नहीं हटाए गए।

आज मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली जा सकते हैं खंडेलवाल

भोपाल। प्रदेशाध्यक्ष बनने के दूसरे दिन गुरुवार को हेमंत खंडेलवाल महाकाल के दर्शन करने के लिए उज्जैन पहुंचे। उन्होंने महाकाल मंदिर में विशेष पूजा की। इस दौरान उनके साथ प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ, सांसद अनिल फिरोजिया भी मौजूद थे। भाजपा में नए प्रदेशाध्यक्ष के चुनाव के बाद जल्द ही प्रदेश कार्यकारिणी में बदलाव होगा। मोर्चा संगठनों को भी नए सिरे से गठित किया जाएगा। नए अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल अपनी नई टीम बनाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, नई टीम में ज्यादातर चेहरे बदल जाएंगे। मोर्चा संगठनों में भी बदलाव की तैयारी है। गौरतलब है कि मौजूदा चार मोर्चा ऐसे हैं, जिनमें अध्यक्षों के पास दोहरी जिम्मेदारी होने के कारण वे अब संगठन में वक्त नहीं दे पा रहे हैं।

इनमें ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष और उद्यानिकी व सामाजिक न्याय मंत्री नारायण कुशवाह, महिला मोर्चा की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, किसान मोर्चा के अध्यक्ष और होशंगाबाद से सांसद दर्शन सिंह चौधरी के नाम शामिल हैं। युवा मोर्चा अध्यक्ष वैभव पवार भी कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। खंडेलवाल संभवत: 5 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ दिल्ली जा सकते हैं। वे दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और अमित शाह, राजनाथ सिंह आदि से मुलाकात करेंगे।

आयुर्विज्ञान विवि ने जारी की अधिसूचना, इसी परीक्षा से लागू

भोपाल । मेडिकल और डेंटल की परीक्षा मातृभाषा (हिंदी) में देने वाले छात्र-छात्राओं को अब परीक्षा फीस में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके अलावा यदि वे ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट की परीक्षा में मैरिट में आते हैं तो उसमें भी नगद पुरस्कार मिलेगा। मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर ने इसकी अधिसूचना गुरुवार को जारी कर दी। अभी औसत परीक्षा फीस ग्रेजुएट की 6000 और पोस्ट ग्रेजुएट की 15000 रुपए है। यह आधी होगी, जिसका फायदा 25 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को होने वाला है। देश में इस तरह ईनाम देने और परीक्षा शुल्क आधा करने वाला मप्र पहला राज्य होगा और विवि भी पहला कहलाएगा। हाल ही में 11 सांसदों की राजभाषा समिति मप्र आई थी, उसने भी विवि की मातृभाषा को लेकर की गई पहल को नोटिस किया। साथ ही कहा कि यह कदम मॉडल बनेगा। विवि के कुलगुरु अशोक खंडेलवाल इस समय सभी संबद्ध कॉलेज में जाकर मातृभाषा के उपयोग की ट्रेनिंग दे रहे हैं। मिशन मातृभाषा के मद्देनजर टीचरों की ट्रेनिंग, पोस्टर के साथ छात्रों की लिस्ट ली जा रही है, जो स्वेच्छा से मातृभाषा में परीक्षा देने वाले हैं। बताया गया है कि विवि की कार्य परिषद की 29 अप्रैल 2025 को हुई बैठक में मातृभाषा को बढ़ावा देने के इस संबंध में निर्णय लिया गया था, जिसकी प्रक्रिया के तहत अब परीक्षा शुल्क आधा करने और ईनाम देने का निर्णय लिया गया है। पहली बार ऐसा होगा, जब छात्र-छात्राओं को परीक्षा फार्म में ही यह ऑप्शन भरना होगा कि वे मातृभाषा (हिंदी) में परीक्षा देंगे।

बड़े तालाब के कैचमेंट में कब्जे, अब फिर होगा सर्वे

भोपाल । भोपाल के बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण का नए सिरे से एक बार फिर सर्वे होगा। नगरीय आवास एवं विकास विभाग की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह निर्देश दिए।

बैठक में बड़े तालाब का मुद्दा आते ही मुख्यमंत्री ने कहा कि तालाब के आसपास अतिक्रमण का नए सिरे से सर्वे जरूरी है। यह सर्वे कौन करेगा और कैसे होगा यह अभी तय होना है। लेकिन हकीकत यह है कि पिछले 10 साल में कम से कम तीन बार तालाब का सर्वे होने के बाद भी अतिक्रमण कम नहीं हुए हैं?। केवल भदभदा क्षेत्र की 200 से ज्यादा झुग्गियां हटाने के अलावा और कोई उल्लेखनीय अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका है। विभाग की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहर में यदि झुग्गी बस्ती बढ़ने से रोकना है तो योजनाएं ऐसी बनाएं कि लोगों को आर्थिक और सामाजिक स्थिति के हिसाब से आवास भी मिल सके। उन्होंने शहरी क्षेत्र में झुग्गी बस्तियों को नियंत्रित करने के लिए उचित योजना बनाने के निर्देश दिए। बता दें कि केवल भोपाल में ही करीब 1800 एकड़ में अवैध झुग्गी बस्तियां फैल गई हैं। इनमें से प्राइम लोकेशन पर 300 एकड़ में और शेष शहर के दूसरे इलाकों में बसी हुई हैं।

बरसात में संभल के चलिए, घर में फिसलकर टूट रहीं हड्डियां

भोपाल । बरसात में घर के अंदर फिसलने से हड्डी टूटने के मामले तेजी से बढ़े हैं। हमीदिया, जेपी और निजी अस्पतालों की ऑर्थोपेडिक ओपीडी में मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। पहले जहां रोज 150 से 200 मरीज आते थे, अब यह संख्या 300 से ज्यादा हो गई है। सबसे ज्यादा केस बुजुर्गों और महिलाओं के हैं। बिट्टन मार्केट की 60 वर्षीय रीता शर्मा बालकनी में खड़ी थीं। फर्श गीला था। संतुलन बिगड़ा और गिर पड़ीं। हिप फ्रैक्चर हुआ। अब बिस्तर पर हैं। शाहजहांनाबाद के नासिर खान वॉशरूम में फिसले। कंधे की हड्डी टूट गई। दोनों को सर्जरी करानी पड़ी। हमीदिया अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. आशीष गोहिया ने बताया, 70त्न केस घर के अंदर गिरने के हैं। बुजुर्गों में हिप फ्रैक्चर आम है। महिलाएं रसोई और बालकनी में ज्यादा फिसल रही हैं। दोपहर 12 से शाम 5 बजे के बीच सबसे ज्यादा हादसे हो रहे हैं। इस समय नमी बनी रहती है। जेपी अस्पताल के डॉ. अभिषेक चतुर्वेदी ने बताया, एक्सीडेंट और घर में फिसलने के केस दोनों बढ़े हैं। सावधानी जरूरी है। बारिश में टाइल्स, मार्बल और सीढ़ियों की चिकनाई में नमी घुल जाती है। इससे फिसलन बढ़ जाती है। बारिश में सड़क पर भी फिसलन बढ़ जाती है। पानी भरने से सड़क की सतह चिकनी हो जाती है। टायर घर्षण नहीं बना पाते। इससे गाड़ी फिसलने का खतरा बढ़ जाता है। बारिश में सीढ़ियों या कीचड़ में फिसलने से भी हादसे हो रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों को घर के अंदर ही रखें। घर के अंदर फिसलन की वजहें हैं-गीला फर्श, स्लिपर का फिसलना, कीचड़-काई और टाइल्स पर तेज चलना। बचाव के लिए वॉशरूम और बालकनी में एंटी-स्किड मैट बिछाएं।

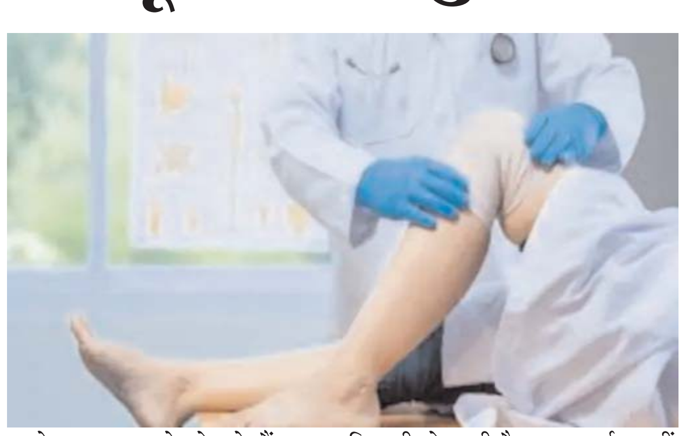

वाइल्ड-लाइफ बोर्ड की अगली बैठक में लग सकती है मुहर

भोपाल। इंदौर और खरगोन जिले के बड़वाह वनमंडल के बीच प्रस्तावित देवी अहिल्याबाई वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के गठन का रास्ता साफ हो गया है। इंदौर और खरगोन जिले के सांसद और सभी विधायकों ने इस सेंचुरी के गठन को लेकर वन विभाग को अपनी सहमति दे दी है। सहमति देने वालों में सांसद शंकर लालवानी, गजेंद्र पटेल, केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मनोज पटेल, रमेश मेंदोला, मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, तुलसी सिलावट, सचिन बिड़ला, राजकुमार मेव, बालकृष्ण पाटीदार शामिल हैं। वन विभाग अब इस प्रस्ताव को अगस्त में सीएम मोहन यादव की अध्यक्षता में होने वाली स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की 30वीं बैठक में रखेगा।

शॉपिंग मॉल, बाजार-कारखानों में रात में काम कर सकेंगी महिलाएं

भोपाल । मध्यप्रदेश में शॉपिंग मॉल, बाजार और कारखानों, प्रोडक्शन यूनिट्स में अब महिलाएं भी दिन-रात काम कर सकेंगी। राज्य सरकार ने शर्तों के साथ महिलाओं के रात में काम करने की सहमति दे दी है। इसके लिए महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित प्रोटोकॉल का पालन नियोक्ता (एम्प्लॉयर) एजेंसी को करना होगा। सरकार का मानना है कि इस फैसले से महिला कर्मचारियों को आर्थिक प्रगति मिलेगी। वहीं कारोबारियों और उद्योगपतियों को अपने यूनिट्स का कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिसका असर प्रदेश के विकास को बढ़ावा देने वाला होगा। दुकान और स्थापना अधिनियम, 1958 में किए गए संशोधन के आधार पर श्रम विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि रात 9 बजे से सुबह 7 बजे तक महिलाएं काम कर सकेंगी। जहां महिलाएं रात में काम करेंगी, उस शॉप या शोरूम में कम से कम 10 या अधिक महिलाएं नियुक्त होनी चाहिए। कारखानों के मामले में भी इसी तरह की व्यवस्था रहेगी। कारखाना अधिनियम की शक्तियों का उपयोग करते हुए 26 जून 2016 के नियमों को समाप्त कर यह तय किया है कि महिलाएं चाहें तो रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी कारखाने या प्रोडक्शन यूनिट में काम कर सकती हैं। कारखानों और प्रोडक्शन यूनिट्स में महिलाओं के रात्रि शिफ्ट में काम करने के दौरान सुपरवाइजर, शिफ्ट इन-चार्ज, फोरमैन या अन्य सुपरवाइजर कर्मचारियों में कम से कम एक तिहाई महिला कर्मचारी होना चाहिए। फेडरेशन चेंबर ऑफ कॉमर्स भोपाल के प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश अग्रवाल ने सरकार के फैसले को लेकर कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सबसे जरूरी है। अगर वे रात में ड्यूटी करेंगी, तो उनके अनुसार पूरी व्यवस्था होना चाहिए।

यदि रात में उन्हें छोड़ा जाना है, तो उन्हें घर तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। इससे कारखानों, प्रोडक्शन यूनिट्स और दुकानों के संचालकों को तो लाभ होगा ही, साथ ही महिलाओं और उनके परिवारों को भी आर्थिक व सामाजिक संबल मिलेगा।

विदेशी जमीन में फाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया को दी शिकस्त

त्योंथर के तेजस मिश्रा ने वर्ल्ड पुलिस ताइक्कांडो प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मेडल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के त्योंथर तहसील के बजरा निवासी जो देश की सेवा करते हुए बीएसएफ जवान तेजस मिश्रा ने अमरीका में 30 जून से 03 जुलाई तक आयोजित वर्ल्ड पुलिस ताइक्कांडो खेल में स्वर्ण पदक जीतकर विंध्य नहीं देश का नाम रोशन किया वर्तमान में सीमा सुरक्षा बल में नई दिल्ली में तैनात तेजस ने 58 किलो ग्राम वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की..तेजस ने प्रतियोगिता में कोलंबिया, अमरीका , कमोडिया, फिलिपीस देश के खिलाड़ियों को हराया.. फाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया देश को मात देकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया और इस उपलब्धि पर गांव सहित पूरे इलाके लोग खुश हैं वहीं जवान तेजस मिश्रा के परिजन चाचा सेवानिवृत सैनिक सरपंच प्रतिनिधि बीरेंद्र मिश्रा ने खुशी व्यक्त की और बताया कि वो भी दिन दूर नहीं जब ओलम्पिक खेल में तेजस देश का प्रतिनिधि करने हुए ताइक्कांडो खेल में भारत के लिए स्वर्ण पदक हासिल करेंगे आपको बता दे तेजस मिश्रा का पिता उमेश मिश्रा स्वयं देश की सेवा कर रहे सीआरपीएफ पदस्थ वही माता प्रेमवती मिश्रा गृहणी है वही पूरा परिवार देश की सेवा कर रहा है इनके घर से कई लोग सैनिक हैं

तेजस को बचपन से खेल का था शौक: वही चाचा सेवा निवृत सैनिक वीरेंद्र मिश्रा ने बताया कि तेजस मिश्रा को बचपन से खेल का शौक था कई बार खेल के कारण ही डाट भी पड़ी पर जुनून के आगे कहा सुनने वाला था फिर गांव में संसाधन की कमी होने के कारण भोपाल जाकर ट्रेनिंग की तब जाकर उसका सपना सा होता दिख रहा

ओलंपिक मिली जगह तो करेगा देश का नाम रोशन: वही गांव सहित पारिवारिक के सदस्य ने बताया जिस तरह से उनका बेटा तेजस मिश्रा के अंदर लग्न और जुनून है तो निश्चित तौर पर अगर ओलंपिक खेलो में अगर तेजस मिश्रा को जगह मिली तो त्योंथर नहीं पूरे देश के लिए गौरव साबित हो सकता है तेजस कई गोल्ड मेडल भारत की झोली में डालेगा नाम रोशन करेगा

गांव में बनेगा खेल का मैदान: जवान तेजस मिश्रा की उपलब्धि के बाद ग्राम पंचायत सरपंच सुनीता मिश्रा ने बताया कि जिस तरह से मेरे भतीजा ने कई देशों के खिलाड़ियों को परास्त कर भारत की झोली में गोल्ड मेडल लाया है उस तरह मै चाहती हू पूरा मेरे गांव का युवा देश की सेवा करे और हर युवा इसी तरह नाम रोशन करे इसके लिए हमने संकल्प लिया कि ग्राम पंचायत में खेल का मैदान बनाएंगे और खेल कूद का सामान भी रखेंगे जिससे खेल के प्रति और लगाव हो।

उपलब्धि के बाद देने वाला वालो का लगा तांता: जैसे ही अमरीका से तेजस मिश्रा की वर्ल्ड पुलिस ताइक्कांडो खेल में गोल्ड मेडल जीतने की खबर मिलते ही गांव सहित पूरे त्योंथर तहसील इलाके से बधाई देने का तांता लग गया है बधाई देने में जिसमें त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी,सरपंच सुनीता मिश्रा,बीरेंद्र मिश्रा, लालजी मिश्रा ,श्रीकांत चतुर्वेदी सचिव,विजय शंकर मिश्रा ,दयाशंकर गौतम, गोपाल मिश्रा, रमाशंकर गौतम , आमोद मिश्रा, राम कुमार मिश्रा, शोभनाथ मिश्रा ,कामता मिश्रा, भोला प्रसाद मिश्रा,श्याम बिहारी पाल, सतेन्द्र मिश्रा ने सहित कई लोगों ने बधाई दी।

रीवा में खुलेआम नशीली कफ सिरप बिक्री का वीडियो वायरल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खुलेआम कोरेक्स बिक्री का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटीरीवा जिले में नशीली कफ सिरप 'कोरेक्स' की अवैध बिक्री का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में निखिल तिवारी उर्फ अमन नाम का युवक बेखौफ होकर पैसे लेकर कोरेक्स बेचता नजर आ रहा है। यह वीडियो थाना रायपुर कर्चुलियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत पहाड़िया के आसपास का बताया जा रहा है।वीडियो में साफ दिख रहा है कि युवक खुलेआम प्रतिबंधित नशीली सिरप की बिक्री कर रहा है, जो न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि युवाओं और समाज के लिए गंभीर खतरा भी पैदा कर रहा है। इस मामले ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस को हिलाकर रख दिया है। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। रायपुर कर्चुलियान थाना प्रभारी ने बताया कि वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट व औषधि नियंत्रण अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले भी रीवा में कोरेक्स की अवैध बिक्री के मामले सामने आ चुके हैं। स्थानीय लोग इस तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस से त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

गुरुपूर्णिमा महापर्व पर नरसिंह मंदिर अमरपाटन में होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। अमरपाटन - सिद्ध श्री नरसिंह मंदिर अमरपाटन में 7 जुलाई दिन सोमवार को गुरुपूर्णिमा महापर्व रामजानकी शक्तिपीठ पुरानीलंका चित्रकूट पीठाधीश्वर रामानुजाचार्य श्रीमद जगतगुरु जी महाराज के सानिध्य में सम्पन्न होगा। उक्त पावन अवसर विशेष पर श्री स्वामी जी अपने संदेश में कहा कि आंतरिक अशांति को रोकने के लिए हमें समय के स–ुरु की आवश्यकता होती है। वे ही उन विधियों के विशेषज्ञ होते हैं, जिनके द्वारा शरीर, मन एवं अंतरात्मा का नियंत्रण व नियमन होता है। वे ही वह मार्ग दिखा सकते हैं जिस पर चलकर हम अपने मन की उन नकारात्मक प्रवृत्तियों को बदल सकते हैं, जो हमारे आत्मविकास में बाधा हैं। समय के स–ुरु ही हमारे जीवन की पूर्णता होते हैं। वे पवित्रता, शांति, प्रेम एवं ज्ञान की साक्षात् मूर्ति हैं। गुरुपूर्णिमा का महापर्व हममें से हर एक के लिए यही संदेश लेकर आता है। सदगुरुओं का आश्वासन है कि उन्हें पुकारने वाला उनके अनुदानों से कभी भी वंचित नहीं रहेगा।

राजगुरु मनोज अग्निहोत्री ने बताया कि उपरोक्त अवसर पर सुबह 8 बजे से गुरु पादुका पूजन के साथ महापर्व की शुरुआत होगी। जलपान के साथ भव्य भंडारे प्रसाद की व्यवस्था की गई है। इसी के साथ तपोमूर्ति गुरुदेव के श्रद्धापूर्वक आवाह्न एवं हम सबके जीवन में उनकी कृपा के अवतरण का महापर्व सम्पन्न होगा।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के होने वाले कार्यक्रम की श्रंखला में बुधवार को सहकार भवन में सहकारिता के प्रचार-प्रसार, रोगिनार संगोष्ठी का आयोजन सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भू-गर्भ वैज्ञानिक डॉ. प्रभाशंकर मिश्र की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में भू-गर्भ वैज्ञानिक डॉ. प्रभाशंकर मिश्र ने कहा कि आज के शुभ अवसर में किसान क्रेडिट कार्ड प्राप्त कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। साथ ही उपस्थित सदस्यों एवं महानुभावों से यह अपेक्षा करता हूं कि समिति को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। संगोष्ठी में पूर्व प्राचार्य शशिकान्त चतुर्वेदी द्वारा वर्तमान परिपेक्ष्य में सहकारी समितियों में नियम अधिनियम, समिति के बॉयलाज एवं होने वाली आमसभा एवं संचालक मंडल को रेखांकित करते हुए समितियों को सशक्त बनाये जाने के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपायुक्त सहकारिता प्रभाकरण प्रकाश ने बताया कि वर्तमान समय में सहकारिता की प्रासंगिकता एवं समितियों के सहकार से समृद्धि अंतर्गत समितियों के माध्यम से किये जाने वाले कार्यों जैसे-जन औषधिकेन्द्र, एलपीजी गैस वितरण, व्यवसाय, भण्डारण गोदामीकरण आदि के बारे में जानकारी दी गई।

समूह नल-जल योजना में पाइपलाइन बिछाने की हर सप्ताह रिपोर्ट दें और लक्ष्य तय समय सीमा में पूरा करें - कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि हर घर में नल से जल पहुंचाने की प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना के निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराएं। निर्माण एजेंसियों के कार्यों की प्रगति की नियमित रिपोर्ट दें। पाइपलाइन बिछाने के कार्य की हर सप्ताह रिपोर्ट प्रस्तुत करें। निर्धारित समय सीमा के अनुसार कार्यों की प्रगति धीमी है। संभाग के पाँच जिलों को पेयजल की आपूर्ति करने वाली बाणसागर बांध पर आधारित तीन बड़ी समूह नल-जल योजनाओं का कार्य तेजी से करें। इन सबका कार्य इस वर्ष मार्च माह तक पूरा हो रहा था। इन्हें एक वर्ष का अतिरिक्त समय दिया गया है। समूह नल-जल योजनाओं के बड़े निर्माण कार्य दिसम्बर माह तक अनिवार्य रूप से पूरा कराएं। निर्माण कार्य में किसी भी तरह की बाधा आने पर तत्काल अवगत कराएं।

कमिश्नर ने कहा कि जल जीवन मिशन से हर घर में नल से जल पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। इससे जुड़े निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा कराएं। घरों में नल कनेक्शन की प्रगति की भी हर सप्ताह रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिन गांवों में पानी की आपूर्ति की जा रही है वहाँ निर्धारित की गई जल कर की राशि भी ग्राम पंचायत के सहयोग से एकत्रित करें। इन गांवों में भी जल उपभोक्ताओं से सतत संवाद रखें। पानी की आपूर्ति के संबंध में किसी भी तरह की शिकायत मिलने पर उसे तत्काल दूर कराएं। समूह नल-जल योजनाओं के कार्यों में सहयोग के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं की भी सेवाएं ली जा रही हैं। इनके माध्यम से लोगों को नल-जल योजनाओं के संचालन, संधारण, जल कर की वसूली आदि के संबंध में जागरूक करें। नल-जल योजना के पानी का दुरूपयोग भी नहीं होना चाहिए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सतना बाणसागर तथा सीधी बाणसागर समूह नल-जल योजना में जल शोधन संयंत्र का कार्य 15 सितम्बर तक पूरा कराएं। कंदैला समूह नल-जल योजना में पेयजल की आपूर्ति के साथ नल-जल योजना ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर करें। सीधी गुलाबसागर समूह नल-जल योजना से 323 गांवों में पेयजल की आपूर्ति होगी।

इसमें संजय टाईगर रिजर्व के क्षेत्र में वन विभाग से अनुमति प्राप्त होने के बाद कार्य होगा लेकिन शेष क्षेत्र में तेजी से कार्य कराएं। इससे जुड़े सभी निर्माण कार्य जनवरी 2026 तक अनिवार्य रूप से पूरा करें। बैठक में कमिश्नर ने सिंगरौली जिले की गोड़-देवसर समूह नल-जल योजना, सतना बाणसागर एक और बाणसागर दो समूह नल-जल योजना तथा रीवा बाणसागर समूह नल-जल योजना की बिन्दुवार समीक्षा की। कमिश्नर ने आगामी समीक्षा बैठक में निर्माण एजेंसियों को भी उपस्थित कराने के निर्देश दिए। बैठक में पाइपलाइन बिछाने, टंकियों के निर्माण, डब्ल्यूटीपी निर्माण तथा इंटेक वेल निर्माण की समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, जल जीवन मिशन के जिला प्रबंधक रीवा चित्रांशु, जिला प्रबंधक सीधी नीरव अग्रवाल, जिला प्रबंधक सतना विवेक कुमार, जिला प्रबंधक सिंगरौली पंकज बाधवानी, सहायक प्रबंधक नीतेश सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्य योजना में बसाहटों को छोड़ने वाले अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय होगी

कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित संभागीय बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि एकल नल-जल योजनाओं का कार्य पूरा होते ही उन्हें ग्राम पंचायतों को हैण्डओवर करें। इन योजनाओं में जहाँ समूह नल-जल योजना से पानी मिलेगा वहाँ पर टंकी तथा पाइपलाइन का निर्माण पूरा कराकर पानी के वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करें। एकल नल-जल योजनाओं का निर्माण कार्य पूरा कराकर निर्धारित लक्ष्य अनुसार सभी घरों में दिसम्बर माह तक नल कनेक्शन अनिवार्य रूप से कराएं। नल-जल योजनाओं के निर्माण के लिए वर्ष 2019 में किए गए सर्वे में कई बसाहटों को छोड़ दिया गया। जिसके कारण अधिकांश गांवों की कार्ययोजना को रिवाइज किया जा रहा है। जिन अधिकारियों ने सर्वे कार्य में लापरवाही बरतकर बसाहटों को नल-जल योजना के लाभ से वंचित किया उन पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि रीवा जिले में 133, सतना जिले में 56, मऊगंज जिले में 125, सिंगरौली जिले में 116 तथा सीधी जिले में 132 गांवों की नल-जल योजनाओं को रिवाइज किया गया है।

डॉ. मनीष कुमार सिन्हा ने एम्प्लॉयर ब्रांडिंग एवं कॉरपोरेट वर्किंग विषय पर की पीएचडी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना ने मनीष कुमार सिन्हा को "मैनेजमेंट में एम्प्लॉयर ब्रांडिंग एवं कॉरपोरेट वर्किंग" विषय पर शोध के लिए पीएच.डी. उपाधि से सम्मानित किया। डॉ. सिन्हा ने अपने माता-पिता की प्रेरणा से यह उपलब्धि हासिल की। उनकी शैक्षणिक यात्रा प्रेरणादायक है, जिसमें आई.आई.टी. खड़गपुर, मुंबई विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों से डिग्रियां शामिल हैं। कोविड-19 की चुनौतियों के बावजूद प्रो. डॉ. कौशिक मुखर्जी के मार्गदर्शन में उन्होंने शोध पूरा किया। विश्वविद्यालय की कुलपति श्री बी.ए. चौपड़े और चेयरमैन श्री अनंत कुमार सोनी ने इसे प्रेरणादायक और गौरवशाली बताया। कई प्रोफेसरों ने भी बधाई दी।

फिजी में रामलीला मंचन कर अरूणा पाठक ने बढ़ाया विन्ध्य का गौरव

हिन्दू धर्म परिषद ने प्रसन्नता व्यक्त की 20 जुलाई को करेगे सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।भारत सरकार द्वारा भेजे गये सांस्कृतिक दल ने फिजी देश में रामलीला मंचन कर भारतीय संस्कृति की विरासत को साझा किया। जिसके कलाकारों का फिजी देश के राजदूत और उप प्रधानमंत्री ने मंच पर सार्वजनिक अभिनंदन एवं सम्मान कर आभार ज्ञापित किया।

ज्ञातव्य है कि देश की साहित्य शोध संस्था मुँबइ और सनातन धर्म संस्था के तत्वाधान में रामलीला अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव में भाग लेने भारत से सत्रह सदस्यी दल फिजी देश में रामायण के प्रचार-प्रसार हेतु आमंत्रण पर भेजा गया था जिसमें 26 मई से 08 जून तक उन्होने रामायण के प्रसंगो पर विभिन्न शहरों में रामलीला प्रसंगो का यादगार मंचन किया। प्रवासी भारतीय बाहुल्य फिजी देश में भारतीय संस्कारों, परम्पराओं की जीवन शैली आज भी जीवित है फिजी देश को अगर छोटा भारत कहा जाये तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी। अभी हाल ही में दल स्वदेश लौटा है।

हिन्दू धर्म परिषद महिला शाखा की प्रचार सचिव एवं कलाकार डॉ0 अरूणा पाठक को भी रामलीला मंचन करने गये दल में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जिसमें उन्होने भगवान राम की माता कौशल्या का पात्र निभाया और अपनी यादगार उपस्थिति दर्ज कराई। विभिन्न शहरो में उनको मंच संचालन का भी अवसर प्राप्त हुआ। फिजी देश में हुये रामलीला मंचन के दल में शामिल होकर डॉ0 अरूणा पाठक ने विन्ध्य के गौरवशाली इतिहास में एक और स्वर्णिम पन्ना जोड़ने का कार्य किया है जिससे समूचे विंध्य क्षेत्र में हर्ष फैला हुआ है। ज्ञातव्य है कि वे ख्यातिलब्ध कवियित्री के रूप में भी जानी जाती है। हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी ने 20 जुलाई को डॉ0 अरूणा पाठक का अभिनंदन एवं सम्मान करने की घोषणा की है।

टाउन हॉल सतना में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

'स्वच्छ सतना लक्ष्य अपना' के लगे नारे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत नगर पालिक निगम सतना के तत्वावधान में टाउन हॉल सतना क्षेत्र में इंजी.धर्मेंद्र सिंह द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से स्वच्छता जागरूकता,मतदाता जागरूकता, नशा मुक्त समाज, भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं अपराध मुक्त समाज का संदेश देने का प्रयास किया गया! प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु छात्र-छात्राओं को आवश्यक टिप्स भी दिए गए! कार्यक्रम में अमन सिंह, प्रकाश कुशवाहा, अभिषेक सिंह परिहार, सरस्वती प्रजापति, कविता प्रजापति,दीपेंद्र कुशवाहा, शुभम सिंह ,विक्रम ,राजराखन साकेत, निखिल चौधरी, पार्थ शुक्ला, प्रदीप कुमार, नीलम त्रिपाठी, रागिनी त्रिपाठी,अभिषेक परिहार, पूर्ति त्रिपाठी, बरखा कहार, प्रीति पटेल, रीता पटेल,दीपांजलि ,सुमित,प्रिंस डोहर ,आकाश कुशवाहा, बृजेश कुमार बुनकर, प्रहलाद सेन, आनंद गुप्ता, स्वाति सिंह,सरिता लोधी, मान्या शिवहरे,आशीष यादव, रजनीश द्विवेदी,स्वाती द्विवेदी , सोनल साकेत,

विकास पाल ,आसमा कुशवाहा, राजलक्ष्मी सिंह ,श्यामू केवट, शिवम केवट, यज्ञ नारायण सिंह,रेनू पाल ,आकाश पॉल, शिवांशु ,आर्यन गुप्ता, विकास शुक्ला ,रमाकांत अहिरवार, राज साकेत, शुभम प्रजापति, शिवानी केवट ,पूजा सतनामी ,प्रिया साकेत, सूरज साकेत ,उमेंद्र ,नेहा अग्रवाल, श्रद्धा यादव ,अतुल शुक्ला, पंकज प्रजापति ,प्रिंस कुशवाहा, शौर्य त्रिपाठी, संजय सिंह ,मीणा कुशवाहा, नीलम बुनकर, पुष्पांजलि वर्मा, रंजन पाल, रश्मि लोधी, हिमांशु सिंह आदि अनेक लोगों ने भाग लिया!

धर्मेंद्र सिंह ने सभी से सतना में बेहतर स्वच्छता का माहौल बनाने में सहयोग करने का अनुरोध किया, तथा उन्होंने रेखांकित किया कि "बेहतर सफाई बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है"! सभी ने स्वच्छता शपथ एवं मतदाता शपथ ली तथा नशा मुक्त समाज, भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं अपराध मुक्त समाज के दिशा में प्रयास करने का भी सभी ने संकल्प लिया!

मोहर्रम के मौके पर आज शहर में निकलेगा ताजिये का जुलूस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अल्लाह रब्बुल इज्जत के महबूब नबी इस्लाम धर्म के आखिरी पैगम्बर हज़रत मुहम्मद सल्ललाहो अलैहे वसल्लम के नवासे शहीदे आज़म हज़रत इमाम हुसैन रजिअल्लाह तआला अन्हो तथा उनके आल की करबला की जंग में हुई शहादत की याद में मनाये जाने वाले मुहर्रम त्योहार की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। आज देर रात शहर एवं जिले की सभी ताजिया चौको पर ताजिया रख कर फातिहा दरूद किया गया। उक्त आशय की जानकारी प्रेस को जारी करते हुये जिला मोहर्रम कमेटी के सरपरस्त एवं प्रवक्ता एड0 महमूद खान ने बताया कि जिला मोहर्रम कमेटी द्वारा घोषित प्रोग्राम के मुताबिक 06 जुलाई को सुबह 05:00 बजे तरहटी की सभी ताजिया ढोल साहभोलन सिटी कोतवाली पहुचेगे तथा फिर वहां से फोर्ट रोड स्टेचू चौराहा, प्रकाश चौराहा होकर छोटी दरगाह आयेगे तथा उसके बाद धोबिया टंकी होकर गोविन्दगढ़ मार्ग से बिछिया तकिया मजार में जायेगे तथा वहां प्रोग्राम में शिरकत करने के बाद सुबह 11:00 बजे तक अपने-अपने मुकाम वापस चले जायेगे। इसके बाद शहर के सभी ताजिया, ढोल, अखाड़ा, गिरोह, अलम मजमे के साथ दोपहर 03:00 बजे, अपने-अपने चौको से चल कर शाहभोलन सिटी कोतवाली जायेगे तथा फिर वहां से शहर का मुख्य जुलूस शाम 07:00 बजे फोर्ट रोड अशोक बाबा सिंधी चौराहा प्रकाश चौराहा होकर छोटी दरगाह जायेगा जहां अखाड़े का जोरदार प्रोग्राम अस्पताल तिराहे पर होगा। प्रोग्राम के बाद जिला मोहर्रम कमेटी एवं इंतजामिया कमेटी छोटी दरगाह द्वारा तबर्ररूख देकर ताजियों को रवाना किया जायेगा। जहां बिछिया की सभी ताजिया धोबिया टंकी होकर बिछिया कर्बला जायेगी जबकि घोघर तरहटी सहित शहर की बांकी ताजिया बड़ी दरगाह कर्बला शरीफ जायेगी। जहां फातिहा के बाद प्रोग्राम समाप्त होगा। जुलूस में शहर की लगभग 80 ताजिया 15 ढोल 04 अखाड़े 15 गिरोह एवं अलम के साथ हजारो की तादाद में अकीदत मंद शिरकत करेंगे।

विचार

राष्ट्रीय एकीकरण के नायक डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी

परतंत्र और स्वतंत्र भारत की राजनीति को सम्यक दिशा देकर भाषायी एवं क्षेत्रीय अस्मिताओं के दायरे से बाहर निकालकर देश की राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को अछुण्य रखने में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का महत्वपूर्ण योगदान था। 6 जुलाई 1901 को सर आशुतोष मुखर्जी व योगमाया देवी के सुयोग्य पुत्र के रुप में कोलकाता में जन्मे डॉ. मुखर्जी में सनातन धर्म की आध्यात्मिक परंपराओं, वैज्ञानिक एवं अकादमिक अभिरुचियों के प्रति गहरा लगाव था। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद मात्र 23 वर्ष की अवस्था में वह कलकत्ता विश्वविद्यालय की सीनेट के फैलो बनाए गए थे। 1934-38 के अवधि में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा (33 वर्ष की अवस्था) और सफल कुलपति होने का गौरव भी उन्होंने प्राप्त किया। यह बंगाल ही नहीं अपितु विश्व के किसी भी देश के विश्वविद्यालयी इतिहास में सबसे युवा कुलपति बनने का एक कीर्तिमान भी था। इसके पहले 1929 व 1937 में बंगाल विधान परिषद के सदस्य चुने गए। 1939 में विनायक दामोदर सावरकर की प्रेरणा से हिन्दू महासभा में शामिल हुए तथा 1941 से 1947 तक हिन्दू महासभा के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने हिन्दूओं को संगठित करने का बीड़ा उठाया।1946 में वह संविधान सभा के सदस्य बने।1947 से 1950 तक केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य रहे तथा हिन्दू हितों की अनदेखी के कारण नेहरू-लियाक़त समझौते के विरोध में मंत्रिमंडल से 8 अप्रैल 1950 को त्यागपत्र दे दिया और 21 अक्टूबर,1951 को अखिल भारतीय स्वरुप के %भारतीय जनसंघ, नामक दल का गठन किया। ब्रिटिश साम्राज्यवाद की विभाजनकारी नीतियों और मुस्लिम साम्प्रदायिकता के उभार से जो जहर भारतीय शासन व्यवस्था में व्याप्त हो रहा था, डॉ. मुखर्जी ने उनसे निपटने का वैचारिक एवं क्रियात्मक दोनों स्तरों पर प्रयास किया। डॉ. मुखर्जी पिछड़े वर्गों के आधार पर संरक्षण के अतिरिक्त धार्मिक आधार पर किसी भी विशेष संरक्षण या भेदभाव के प्रबल विरोधी थे। वह विभाजन की शर्तों पर स्वाधीनता प्राप्ति के मुखर विरोधी थे।

20वीं शताब्दी का आरम्भ भारत की राजनीति का वह दौर था जिसमें राजनीतिक पराधीनता के साथ वैचारिक अंतर्विरोध और सांस्कृतिक संकट के लक्षण परिलक्षित हो रहे थे। सारे देश में साम्राज्यवाद के खिलाफ एक तीव्र लहर चल रही थी। भारत द्वितीय विश्वयुद्ध में श्रीहीन व शक्तिहीन हो चुके ब्रिटिश शासनतंत्र की बेड़िया तोड़ने को तीव्रता से आगे बढ़ रहा था। अंग्रेज इस स्थित को भांप कर भारत से विदा लेने के पहले बड़े षड्यंत्र को रच रहे थे। इसी साजिश के तहत अंग्रेजों ने बंगाल, जो भारत की आर्थिक एवं राजनीतिक चेतना का मुख्य केंद्र रहा था,के विभाजन की कुटिल चाल चली। परंतु इस विद्वेषपूर्ण ब्रिटिश नीति ने राष्ट्रवाद की धारा को मंद करने के स्थान पर और तीव्र कर दिया था। स्वाधीनता संघर्ष की परिणति भारत की आजादी थी, किंतु विभाजन की त्रासदी ने देश को गहरी वेदना दी। विभाजन की अनिवार्यता को भांप कर, डॉ. मुखर्जी ने बंगाल, असम व पंजाब के एक बड़े हिस्से को पाकिस्तान के चंगुल में जाने से बचा लिया। डॉ. मुखर्जी के दूरदर्शी प्रयासों से ही सगर-पुत्रों की तपोभूमि, बंकिमचन्द्र, सुभाषचंद्र बोस, विवेकानंद, कवीन्द्र-रवींद्र,बंदा बैरागी,गुरुगोविंद सिंह की पावन धरा पश्चिम बंगाल व पंजाब का पाकिस्तान में विलय होने से बचाया जा सका।

स्वाधीन भारत के पहले मंत्रिमंडल में 15 अगस्त 1947 को वह महात्मा गाँधी के आग्रह और स्वातंर्त्यवीर सावरकर की प्रेरणा से शामिल हुए। यह भी अपने आप में एक रोचक तथ्य है कि कांग्रेस की नीतियों के धुर विरोधी दो विद्वान राजनेताओं डॉ. मुखर्जी व डॉ. अम्बेडकर को उनके नेतृत्व क्षमता, वक्तता कौशल व दूरदर्शी दृष्टिकोण के चलते नेहरु मंत्रिमंडल में उद्योग व आपूर्ति तथा कानून व श्रम जैसे अति महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई। इस विश्वास को कायम रखते हुए उन्होंने राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में सार्वजनिक औद्योगिक प्रतिष्ठानों की आधारशिला रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सेकुलर और सोशलिस्ट को लेकर सियासी रार

उमेश चतुर्वेदी

इतिहास ने जब किसी कालखंड को काला अध्याय के रूप में स्वीकार कर लिया हो, तब उस कालखंड में लिए गए निर्णयों को वैधानिक कैसे माना जा सकता है। आपातकाल स्वाधीन भारत की तवारीख का काला दौर ही है। उसी दौर में संवैधानिक संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में 'सेयुलर' और 'समाजवादी' शद जोड़े गए। ऐसे में इन शदों को हटाने की मांग पर विमर्श होना चाहिए, लेकिन हो रहा है विवाद। इसकी वजह यह है कि यह मांग खुलेतौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की है। संघ की ऐसी आवाजें गैर बीजेपी दलों को असर चुभती रही हैं। कांग्रेस ने इस बहाने संघ पर अपना पुराना आरोप दोहराना शुरू कर दिया, कि संघ और बीजेपी संविधान को बदलने की कोशिश में हैं। दिलचस्प यह है कि आपातकाल में कांग्रेसी अत्याचारों के शिकार हुए समाजवादी धड़े के दल भी संघ विरोध में कांग्रेस के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

सबसे पहले हमें जानना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इस बारे में क्या कहा है। आपातकाल की पचासवीं बरसी पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े गए। ये शब्द पहले नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए।'

जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय सत्ता में आई है, तभी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एक रट लगाए हुए हैं कि बीजेपी और संघ संविधान बदलना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान तो उनकी अगुआई में समूचे विपक्ष ने इसे बार-बार दोहराया। नई लोकसभा के गठन के दौरान विपक्षी सांसदों ने शपथ लेते वक्त अपने हाथ में संविधान की प्रति थामे रखी। अंतर बस यह रहा कि कांग्रेसी सांसदों के हाथ में लाल रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही तो दूसरे दलों के सांसदों के हाथों में नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही। शपथ लेते वक्त भी विपक्षी सांसदों ने देश को संदेश देने की कोशिश की कि बीजेपी संविधान बदलना चाहती है और वे इसे बदलने नहीं देंगे। दत्तात्रेय होसबाले के बयान के बाद एक बार भी कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल ऐसी ही बयानबाजी में मसरूफ हो गए हैं। संविधान की प्रस्तावना में ये दोनों शब्द 42वें संशोधन के जरिए जोड़े गए थे। इसी के साथ लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल पांच की बजाय छह साल कर दिया गया था। 1977 के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई जनता पार्टी की सरकार ने दिसंबर 1978 में संविधान के 44वें संशोधन के जरिए आपातकाल के दौरान किए गए संवैधानिक बदलावों को बदल दिया। जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल को फिर से पांच साल करना शामिल था। लेकिन संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्दों को हटाने का प्रयास नहीं हुआ। संघ की मांग का आधार मूल संविधान की प्रस्तावना है। जिसमें ये दोनों शब्द शामिल नहीं किए गए थे। ऐसा नहीं कि ऐसा करने की मांग नहीं हुई थी। संविधान सभा के सदस्य केटी शाह ने 15 नवंबर 1948 को संविधान के मसौदे में संशोधन प्रस्ताव रखते हुए भारत को 'धर्मनिरपेक्ष, संघीय, समाजवादी राज्यों का संघ' बनाने माँग की। लेकिन अंबेडकर ने इसे खारिज कर दिया। तब अंबेडकर ने कहा था, राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले हैं जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थिति के अनुसार स्वयं करना चाहिए। अंबेडकर का मानना था कि अगर संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद को जोड़ दिया जाता है तो यह भावी पीढ़ियों को उनका रास्ता चुनने की स्वतंत्रता को सीमित करेगा। उन्होंने कहा, इसे संविधान में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि यह लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट कर देगा। नेहरू की भी सोच थी कि भारतीय संविधान का चरित्र ही धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए उसकी प्रस्तावना में इसे अलग से जोड़ने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस हो या फिर दूसरे विपक्षी दल, उन्हें आज के दौर में जब भी बीजेपी पर हमला या फिर संघ को कठघरे में खड़ा करना होता है, वे अंबेडकर के संविधान को याद करने लगते हैं। अंबेडकर के मूल्यों की रक्षा की बात करने लगते हैं। ऐसे में उनके सामने यह सवाल जरूर उठता है कि क्या आपातकाल थोपा जाना अंबेडकर के विचारों का सम्मान था और अगर वह नहीं था तो फिर सेकुलर और समाजवादी शब्दों का प्रस्तावना में शामिल होना सही कैसे है? एक और सवाल यह है कि जब आपातकाल ही नाजायज और अवैधानिक था तो फिर उस दौरान उठाए गए किसी कदम को जायज और संवैधानिक कैसे स्वीकार किया जा सकता है? सवाल यह भी है कि आपातकाल के दौरान इंदिरा ही कार्यपालिका हो गई थीं, जिनके सामने न्यायपालिका और विधायिका एक तरह से अधिकारहीन हो चुकी थीं, तो उनके द्वारा लिए गए निर्णय सही कैसे हो सकते हैं? संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए इन शब्दों की एक सीमा यह भी है कि इनकी कोई व्याख्या नहीं है। इसलिए जिसकी जैसी सोच होती है, इनकी व्याख्या कर डालता है।

केशवानंद भारती केस में सर्वोच्च न्यायालय कह सकता है कि संविधान की बुनियादी आत्मा को नहीं बदला जा सकता। इस नजरिए से भी देखें तो प्रस्तावना में जोड़े गए ये दोनों ही शब्द सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के ठीक उलट हैं। इन दोनों शब्दों के जोड़े जाने के बाद ही संविधान का अलग ही रूप और चरित्र दिखने लगा है। जिसके आधार पर ज्यादातर कार्यपालिका और विधायिका फैसले लेने लगी है। कुछ जानकार तो मानते हैं कि कई सामाजिक समस्याओं की वजह ये दोनों शब्द ही हैं। जिनके चलते संवैधानिक संस्थाएं भारत के बुनियादी चरित्र के उलट कदम उठाती रहती हैं या फैसले लेती रहती हैं। अल्पसंख्यकवाद को बढ़ावा देने में इन दोनों शब्दों का योगदान सबसे ज्यादा है। इन्हीं शब्दों के चलते तुष्टिकरण की राजनीति को भी बढ़ावा मिला है। इन शब्दों से मिले कवच की वजह से बिखंडनकारी तत्व हावी हुए हैं, जो लगातार भारतीय समाज के बिखराव को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रस्तावना में आए बदलावों ने शासन के चरित्र को ही नहीं, प्रशासन की सोच को भी बदला है। लेकिन कभी इस नजरिए से इन शब्दों की सीमा को मापने और उनके असर को पहचानने की कोशिश नहीं हुई। कुछ महीने बाद बिहार विधानसभा के चुनाव हैं। कांग्रेस संघ की इस अपील को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश जरूर करेगी। बिहार के प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने इस मुद्दे पर कांग्रेस का साथ जरूर दिया है, लेकिन कांग्रेस की तरह आक्रामक मुद्दा में नहीं है। इसकी वजह यह है कि बीजेपी और संघ आपातकाल के लिए लगातार कांग्रेस से माफी की मांग भी कर रहे हैं। आरजेडी प्रमुख लालू यादव भी आपातकाल के पीड़ित हैं और उन दिनों वे बीजेपी के पूर्ववर्ती संगठन जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ थे। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में ही उन्होंने छपरा से लोकसभा का चुनाव जीता था। ऐसे में उनके लिए आपातकाल के मुद्दे पर देर तक कांग्रेस का साथ देना आसान नहीं होगा। लिहाजा उनकी कोशिश होगी कि इस मुद्दे को कांग्रेस उठाए और पीछे से उसका साथ वे देते रहें। इस रणनीति के जरिए उनकी कोशिश है कि बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन से सत्ता छीन लें। लेकिन संघ इस मांग से उस तरह पीछे हटता नहीं दिख रहा, जिस तरह 2015 के चुनावों के दौरान आरक्षण पर आए मोहन भागवत के बयान से उपजे विवाद के चलते पीछे हटता दिखा। कांग्रेस ने अब तक आपातकाल को लेकर अपनी गलती नहीं मानी है। संघ की मांग के चलते यह मुद्दा उछल रहा है। जैसे-जैसे इस मुद्दे की तासीर बढ़ेगी, वैसे-वैसे कांग्रेस के लिए अपना बचाव कर पाना आसान नहीं होगा। क्योंकि वह कैसे साबित कर पाएगी कि आपातकाल सही था? अगर वह आपातकाल को सही नहीं ठहरा पाएगी तो वह किस तरह साबित करेगी कि प्रस्तावना में किया गया बदलाव सही था।

लिथियम की होड़ में भारत-चीन आमने-सामने, अर्जेंटीना बना रणनीतिक रणभूमि

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इस यात्रा का एक और बड़ा रणनीतिक असर होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते गहराते जा रहे हैं। अर्जेंटीना और चीन के संबंध इसी उभरते भू-राजनीतिक समीकरण का हिस्सा हैं। बीते एक दशक में अर्जेंटीना ने चीन के साथ अपने व्यापारिक, निवेश, और कूटनीतिक संबंधों को अत्यंत मजबूत किया है। यह संबंध न केवल क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भारत के लिए भी कई अवसर और चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है। साथ ही चीन ने अर्जेंटीना में जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु संयंत्रों में भारी निवेश किया है। यही नहीं, अर्जेंटीना वर्ष 2022 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव क्क्ख्ह्व में शामिल हुआ, जिससे चीन की लैटिन अमेरिका में रणनीतिक उपस्थिति और गहराई। एक खास बात और है कि अर्जेंटीना लिथियम ट्रायंगल का हिस्सा है और चीन ने वहां की कई लिथियम परियोजनाओं में निवेश कर रखा है। चीन का अर्जेंटीना में गहराता प्रभाव भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय है, खासकर जब चीन की नीति के देशों में कर्ज और निवेश के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रही है। यहां यह भी काबिलेगौर है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के लिए लिथियम पर निर्भर है। अर्जेंटीना में चीन की बढ़ती हिस्सेदारी इस महत्वपूर्ण खनिज की वैश्विक आपूर्ति में भारत को पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत अर्जेंटीना के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहता है, लेकिन चीन की पहले से मौजूदगी भारत की कूटनीतिक पहुंच को सीमित कर सकती है। लेकिन भारत के ग्लोबल साउथ को जोड़ने की नीति अर्जेंटीना जैसे देशों में स्वीकार्यता पा रही है।

देखा जाये तो भारत और चीन दोनों ही अर्जेंटीना को एक बड़ा कृषि, औद्योगिक और खनिज स्रोत मानते हैं। हालांकि चीन का आक्रामक निवेश मॉडल भारत के लिए प्रतिस्पर्धा को कठिन बना देता है, खासकर तब जब भारत सतर्क और स्थिर निवेश नीति पर चलता है।

सवाल उठता है कि भारत की रणनीतिक दिशा क्या होनी चाहिए? इसका जवाब यह हो सकता है कि भारत को अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिका के देशों में उच्च स्तरीय राजनीतिक और व्यापारिक संवाद को और गहरा करना होगा। साथ ही अर्जेंटीना में लिथियम जैसे संसाधनों के लिए भारत को चीन के समानांतर रणनीतिक साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसके अलावा, %सॉफ्ट पावर% के माध्यम से भारत अर्जेंटीना में अपनी पहचान मजबूत कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे में देखने को आया कि भारत जिन उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर चल रहा है उसमें सही रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से लगातार प्रगाढ़ हुए हैं। ये संबंध केवल व्यापार और कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, खेल और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों में भी परस्पर सहयोग का आधार बनते जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारत और अर्जेंटीना के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध 1949 में स्थापित हुए थे। दोनों देश वैश्विक मंचों पर समान विचार साझा करते हैंङ्क जैसे बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद विरोध और त्वद्यश्ढ्डड्ढद्य स्श्वह्वह्लद्ध की आवाज को सशक्त बनाना। पिछले दो दशकों में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय राजनीतिक यात्राएं, व्यापारिक समझौते और रणनीतिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री की इस यात्रा के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गौर करें तो आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति जताई। साथ ही अर्जेंटीना का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लिए लिथियम एक प्रमुख संसाधन है, इसलिए प्रधानमंत्री की यात्रा में लिथियम आपूर्ति के समझौते बेहद अहम रहे। इसके अलावा, अर्जेंटीना कृषि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उन्नत है इसलिए भारत ने कृषि क्षेत्र में सहयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। साथ ही दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ाने पर जोर दिया, विशेषकर आईटी, फार्मा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन देने पर सहमति हुई।

आगे की संभावनाओं पर गौर करें तो कहा जा सकता है कि भारत-अर्जेंटीना संबंध आने वाले वर्षों में और अधिक सुदृढ़ हो सकते हैं, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा, खासकर सौर और पवन ऊर्जा में। इसके अलावा, छात्र विनिमय कार्यक्रम और विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी से शिक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग और बढ़ने की संभावना है। साथ ही अर्जेंटीना की फुटबॉल विरासत और भारत की सांस्कृतिक विविधता के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी अपार संभावनाएं हैं।

बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना यात्रा भारत की कूटनीतिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इस यात्रा ने न केवल दोनों देशों के बीच सहयोग के नए द्वार खोले हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ किया है। अर्जेंटीना जैसे लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत के संबंधों की सुदृढ़ता न केवल आपसी सहयोग को बढ़ावा देती है, बल्कि वैश्विक संतुलन की दिशा में एक सकारात्मक कदम भी है।

स्वच्छता और अतिक्रमण हटाओ अभियान में तेजी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम रीवा के आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के तहत शहर में स्वच्छता और अतिक्रमण हटाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

नगर निगम की आईईसी टीम ने जोन क्रमांक 04, वार्ड 26 स्थित वेदांता पब्लिक स्कूल, छत्रपति नगर में "सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ" अभियान चलाया। इस दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं को बारिश के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। टीम ने बताया कि व्यक्तिगत, घर और आसपास की सफाई से बीमारियों को रोका जा सकता है। सभी छात्रों और शिक्षकों ने स्वच्छता शपथ भी ली। वहीं, जोन क्रमांक 01, वार्ड 35 में पचमठा घाट पर श्रमदान के माध्यम से घाट और आसपास के क्षेत्र में कचरे की सफाई की गई। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य अधिकारी बालगोविंद चतुर्वेदी, स्वच्छता निरीक्षक, वार्ड दरोगा, सफाई मित्र और गणमान्य नागरिक शामिल रहे।अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई

हटाया अतिक्रमण और दी चेतावनी

नगर निगम के अतिक्रमण दल ने वार्ड क्रमांक 13, समान तिराहा के पास मिश्रा पेट्रोल पंप के सामने रमेश सासवानी द्वारा सड़क पर रखी गई भवन निर्माण सामग्री (गिट्टी और बालू) को हटाने की कार्रवाई की। इस अतिक्रमण से आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। दल ने जेसीबी मशीन से सामग्री हटाई और 5000 रुपये का जुर्माना लगाया। अतिक्रमण सहायक ज्ञानेंद्र द्विवेदी की अगुवाई में हुई इस कार्रवाई के दौरान दोबारा अतिक्रमण करने पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।नगर निगम का यह अभियान शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में सतत प्रयासों का हिस्सा है।

सतना में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार तीन दोस्तों को कुचला

जन्मदिन की खुशी बनी मातम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के मझगवां भट्ठा के पास शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने तीन दोस्तों की जिंदगी छीन ली। जन्मदिन की खुशियां मनाकर चित्रकूट के हरदुआ गांव लौट रहे दीपक कुमार पटेल (20), सौरभ विश्वकर्मा उर्फ सोनू (20) और आशु सिंह (23) की बाइक को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे तीनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हादसा उस वक्त हुआ जब तीनों दीपक के जन्मदिन का जश्न मनाकर सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मुक्तानगर से बाइक पर सवार होकर गांव की ओर जा रहे थे। दीपक, जो दिल्ली में पढ़ाई करता था, अपने जन्मदिन के लिए सतना आया था और अपने बड़े भाई विजय कुमार पटेल के पास रुका था। विजय ने बताया कि दीपक के घर से निकलने के मात्र 20 मिनट बाद किसी ने दीपक के फोन से हादसे की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर तीनों मृत अवस्था में सड़क पर पड़े थे, और उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हालत में दूर गिरी थी। मृतकों में दीपक कुमार पटेल हरदुआ (चित्रकूट) का निवासी था, सौरभ विश्वकर्मा उर्फ सोनू उतैली बायपास और आशु सिंह आदर्श नगर, नई बस्ती के रहने वाले थे। पुलिस ने शवों को जिला अस्पताल भेजा, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया।

सिविल लाइन थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस वाहन और चालक की तलाश में जुट गई है। हादसे ने पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ा दी है।

रीवा में टैक्स बकायादारों पर नगर निगम की सख्ती

तीन व्यवसायिक परिसरों की 7 दुकानें की गईं सील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम ने बकाया संपत्ति कर जमा नहीं करने वाले व्यापारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर शुक्रवार को राजस्व टीम ने तीन व्यवसायिक परिसरों की 7 दुकानों को सील कर दिया। इससे पहले बकायादारों को नोटिस जारी कर भुगतान के लिए समय दिया गया था, लेकिन निर्धारित अवधि में राशि जमा न करने पर यह कार्रवाई की गई।

वार्ड क्रमांक 9 में मकान नंबर 1387 की मालकिन शकुंतला तिवारी पर 1,88,266 रुपये बकाया होने के कारण उनकी तीन दुकानों को सील किया गया। वार्ड क्रमांक 13 में हरिहर प्रताप सिंह के चंद्रा मंगल भवन (मकान नंबर 316) पर 2,79,590 रुपये बकाया थे, जिसके चलते दो दुकानों पर तालाबंदी की गई। इसी तरह, मकान नंबर 221/1 के मालिक प्रीतम सिंह पर 87,209 रुपये बकाया होने पर उनकी दो दुकानों को भी सील कर दिया गया।

आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने स्पष्ट किया कि बकाया राशि पर किसी को छूट नहीं दी जाएगी। समय पर टैक्स जमा न करने वालों के खिलाफ आगे भी तालाबंदी की कार्रवाई जारी रहेगी। निगम ने करदाताओं से अपील की है कि वे बकाया कर समय पर जमा करें ताकि सख्त कार्रवाई से बच सकें।

रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा का विवादित बयान, बोले-

'लैपटॉप की राशि को पिता नशे में उड़ा देंगे'

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा एक बार फिर अपने विवादित बयान को लेकर चर्चा में हैं। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक एक के सभागार में मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत आयोजित लैपटॉप राशि वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मिश्रा ने कहा कि बच्चों को मिलने वाली लैपटॉप की राशि उनके पिता नशे, जैसे गांजा, में उड़ा देंगे। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि वे अपने पिताओं से लड़कर खुद लैपटॉप खरीदें। इस बयान से उपस्थित लोग हैरान रह गए, और कुछ अभिभावकों व शिक्षकों ने इसे अपमानजनक और असंवेदनशील करार दिया।

बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिस पर विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने इसे गरीब और मेहनतकश अभिभावकों का अपमान बताते हुए सांसद से सार्वजनिक माफी की मांग की। अब तक मिश्रा की ओर से कोई स्पष्टीकरण या खेद प्रकट नहीं किया गया है। यह पहली बार नहीं है जब मिश्रा विवादित बयानों के कारण सुर्खियों में आए हैं। इससे पहले स्वच्छता अभियान के दौरान खुले में शौच करने वालों को डांटने जैसे मामलों में भी वे चर्चा में रह चुके हैं। इस बयान ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि क्या जनप्रतिनिधियों को सार्वजनिक मंच पर बोलते समय अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार नहीं होना चाहिए?

सतना में एग्जीबिशन सेंटर के पास से अतिक्रमण हटाया

6 मकान और 4 दुकानें ध्वस्त, 2 धार्मिक स्थल शिफ्ट किए गए

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के नई बस्ती इलाके में एग्जीबिशन सेंटर परिसर और उसके प्रवेश मार्ग को अतिक्रमणमुक्त कर दिया गया है। यहां लंबे समय से अवैध कब्जे बने हुए थे, जो सेंटर के विस्तार और विकास कार्यों में बाधा बन रहे थे।

यहां वर्षों से बने 6 मकान, 4 दुकानें और 2 धार्मिक स्थलों को हटाया गया। धार्मिक स्थलों को वैकल्पिक स्थान पर शिफ्ट किया गया है। प्रशासन का कहना है कि यह अतिक्रमण एग्जीबिशन सेंटर के विस्तार और जनसुविधाओं के निर्माण में बाधा बन रहा था। पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से हुई। किसी भी प्रकार का विरोध सामने नहीं आया।

कार्रवाई के दौरान एसडीएम राहुल सिलाडिया, तहसीलदार सौरभ मिश्रा, नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी दस्ता, कोलगवां थाना पुलिस और राजस्व अमला मौके पर मौजूद रहा।

सतना में बिरला पर रेल प्रशासन का 16 लाख रुपये जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के मारुति नगर स्थित मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग पर कार के मालगाड़ी इंजन की चपेट में आने के मामले में रेल प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। पश्चिम मध्य रेलवे ने बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड पर 16 लाख का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना इंजन डिटेंशन और सुरक्षा में लापरवाही को लेकर लगाया गया है। घटना 25 जून की शाम की है। मालगाड़ी का इंजन स्टेशन से बिरला साइडिंग की ओर जा रहा था। इसी दौरान कार क्रॉसिंग पार करते वक्त इंजन की चपेट में आ गई। इंजन पायलट की सतर्कता से कार सवार संजय शुक्ला और उनका परिवार बच गया, लेकिन वाहन को नुकसान हुआ।

साइबर ठगी का शिकार बने बुजुर्ग ने की आत्महत्या

ब्लैकमेलिंग से तंग आकर बंदूक से मारी गोली

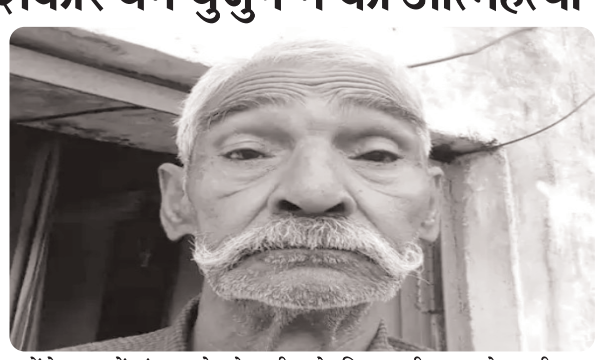

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में साइबर ठगों की ब्लैकमेलिंग से परेशान 65 वर्षीय सरोज दुबे ने शुक्रवार दोपहर अपनी लाइसेंसी 12 बोर बंदूक से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सरोज ने ठगों की धमकियों के चलते दोस्तों और रिश्तेदारों से उधार लेकर करीब 37,770 रुपये ठगों के खाते में ट्रांसफर किए थे, लेकिन लगातार वाट्सएप कॉल के जरिए और पैसे की मांग ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया।

घटना सरोज दुबे के पुश्तैनी मकान में हुई, जहां वह अपनी दूसरी पत्नी के साथ रहते थे। उनकी पहली पत्नी का निधन 15 साल पहले हो गया था। परिजनों के अनुसार, सरोज ठगों के जाल में फंस गए थे, जो कभी पुलिस अधिकारी तो कभी बैंक अफसर बनकर उन्हें धमकाते थे। सरोज ने अपने मोबाइल नंबर 9039984609 से ठगों के नंबर 8955504415 पर 2-3 दिनों में 7 से 8 बार में रकम ट्रांसफर की।

दामाद उमेश गुप्ता ने बताया कि उन्होंने ससुर को कोतवाली में शिकायत करने की सलाह दी थी, लेकिन मानसिक दबाव के चलते सरोज ने यह कदम उठा लिया।मृतक के पिता मुन्नीलाल दुबे तहसीलदार के पद से रिटायर थे, और उनकी लाइसेंसी बंदूक सरोज ने अपने नाम कराई थी।

सिटी कोतवाली थाना प्रभारी श्रंगेश राजपूत ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। मामले की गहन जांच की जा रही है, और तथ्यों के आधार पर वैधानिक कार्रवाई होगी।

पाइपलाइन बिछाने में गड़बड़ी, एनसीसी पर मनमानी का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में जल निगम की पानी की पाइपलाइन बिछाने के कार्य में नियमों की खुलेआम अनदेखी का मामला सामने आया है। सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी की शिकायत पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर के समक्ष मौखिक शिकायत के बाद जल निगम की एक टीम ने हिनौती मुख्य मार्ग से करहिया, बड़ोखर, कैथा, अकलसी और लौरी के बीच किए गए कार्य की जांच की। जांच में निर्माण कंपनी एनसीसी द्वारा नियमों की अवहेलना और घोर लापरवाही उजागर हुई।

जल निगम के डिप्टी टीम लीडर अनुभव ताम्रकार और रेजिडेंट इंजीनियर रवि सिंह की जांच में पाया गया कि सड़क के साइड शोल्डर और खेतों के बीच से बिछाई गई पाइपलाइन में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया। नियमों के अनुसार, साइड शोल्डर पर निर्माण कार्य नहीं होना चाहिए, और यदि खेतों में पाइपलाइन बिछाई जाती है तो जमीन को पहले जैसी स्थिति में लाना अनिवार्य है। इसके लिए मिट्टी, मुरम या कंक्रीट की क्षति होने पर अतिरिक्त सामग्री लाकर भरना, रोलर और वाइब्रेटर से समतल करना और सतह का कंपेक्शन करना जरूरी है। हालांकि, एनसीसी कंपनी ने इन नियमों की अनदेखी कर मनमानी की। मौके पर पंचनामा बनाया गया, जिसमें गड़बड़ी और अनियमितता की पुष्टि हुई।

जांच में यह भी सामने आया कि टेंडर में कंपेक्शन और निर्माण स्थल को पूर्व स्थिति में लाने के लिए राशि आवंटित होती है, लेकिन कंपनी ने इसका दुरुपयोग किया। यह समस्या केवल रीवा या मऊगंज तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर में ऐसी निर्माण एजेंसियां विभागों से सांठगांठ कर जनता के टैक्स के पैसे का दुरुपयोग कर रही हैं। सामान्य जनता को इन नियमों की जानकारी नहीं होने के कारण वे शिकायत करने में असमर्थ रहते हैं। सड़कों के किनारे और साइड शोल्डर पर की गई अवैध खुदाई से दुर्घटनाएं, कीचड़ और अन्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। शासन-प्रशासन की निगरानी में कमी और भ्रष्टाचार में संलिप्तता के चलते जनता की आवाज दब रही है। इस मामले में जल निगम ने एनसीसी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की बात कही है, लेकिन इस तरह की अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

माध्यमिक शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में करीब 325 शिक्षकों सहित सभी जन शिक्षकों ने लिया हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। माध्यमिक शालाओं में कक्षा 6 से 8 तक गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 2 जून से 5 जुलाई तक तीन चरणों में कुल 9 बैचों में हुआ। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण में कक्षा 6 के नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण की आधुनिक विधाओं पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण में लगभग 325 शिक्षकों के साथ-साथ सभी जन शिक्षकों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण का निरीक्षण जिला शिक्षा केंद्र के एकेडमिक प्रभारी केसरी तिवारी, बीआरसी दीपेंद्र सिंह व अन्य सीएसी द्वारा प्रतिदिन किया गया। बीआरसी ने सभी प्रशिक्षित शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह प्रशिक्षण शिक्षकों के कौशल विकास और नवीन शिक्षण पद्धतियों को अपनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

सतना में बिजली के खुले तार की चपेट में आने से किशोरी की मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के बिरसिंहपुर के वार्ड क्रमांक एक में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। कचरा फेंकने गई 14 वर्षीय आशीं पाल की बिजली के खुले तार से करंट लगने के कारण मौत हो गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि मोहल्ले निवासी खेलावन पाल ने अपने बोरवेल के लिए आम के पेड़ पर अवैध बिजली कनेक्शन किया था। तेज हवा से टूटकर गिरे इसी तार की चपेट में आने से किशोरी की जान गई। हादसा खेलावन पाल की एक बड़ी लापरवाही से हुआ है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। मौत की खबर के बाद अस्पताल में परिजनों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने आरोपी की गिरफ्तारी से पहले पोस्टमॉर्टम और पंचनामा से इनकार कर दिया है। बिरसिंहपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझा रही है और मामले की जांच कर रही है।

हवाई फायरिंग करते आरोपी को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। फायरिंग के आरोपी को पकड़ने का वीडियो सामने आया है। 3 जुलाई को महादेवा इलाके में गौतम परिवार के घर के बाहर हवाई फायरिंग करने वाले शिवम साहू को सादी वर्दी में मौजूद पुलिसकर्मियों ने पकड़ा था। घटना के दौरान सिटी कोतवाली के सहायक उप-निरीक्षक हेमराज, हेड कॉन्स्टेबल राहुल सिंह और कॉन्स्टेबल अजीत सिंह किसी दूसरे मामले की जांच में वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने शिवम को कट्टे से फायरिंग करते देखा और एक नाबालिग के साथ उसे पकड़ लिया। शनिवार को सामने आए वीडियो में तीनों पुलिसकर्मी आरोपी से कट्टा छीनते नजर आ रहे हैं।पुलिस ने बताया कि शिवम अपने भाई और बसपा नेता शुभम साहू की हत्या का बदला लेने की फिराक में था। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने जान जोखिम में डालकर आरोपी को पकड़ने वाले तीनों पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया है।

राजस्थान के अलवर में सड़कें डूबीं, घरों में पानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। मौसम विभाग के मुताबिक देशभर में जून में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। जुलाई में भी सामान्य से ज्यादा बारिश का अनुमान है। देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसूनी बारिश जारी है। राजस्थान के अलवर में सोमवार को भारी बारिश के चलते सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा-यमुना में बाढ़ जैसे हालात हैं। घाट की तरफ 500 मीटर आगे तक पानी भर गया है। हिमाचल प्रदेश के मंडी में सोमवार रात 4 जगह बादल फटने से भारी नुकसान हुआ। बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है, 16 लोग लापता हैं। 10 घरों को नुकसान पहुंचा है। उत्तराखंड में सोमवार को कोटद्वार-बद्रीनाथ मार्ग पर सतपुली के पास लैंडस्लाइड की वजह से पौड़ी-मेरठ नेशनल हाईवे बंद हो गया। उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड के कारण यमुनोत्री हाईवे बंद हो गया है।

तेलंगाना केमिकल फैक्ट्री धमाका- मौत का आंकड़ा 36 हुआ

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में दवा फैक्ट्री में हुए धमाके में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 36 हो गया है। फैक्ट्री से 31 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, अस्पताल में 5 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल हैं। संगारेड्डी के एसपी परितोष पंकज ने यह जानकारी दी है। 30 जून को फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हुआ था। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को ?50 हजार की मदद की घोषणा की थी। इधर, तमिलनाडु के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ, न्यूज एजेंसी क्क्ष्ढ्ढ के मुताबिक, कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

तेलंगाना में विरोध के बावजूद रामचंद्र राव भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने मंगलवार को 5 राज्य हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना में निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष चुन लिए हैं। इसके अलावा एमपी में हेमंत विजय खंडेलवाल ने भी निर्विरोध नामांकन भरा। बुधवार को उनकी जीत का ऐलान किया जाएगा। हिमाचल में राजीव बिंदल को तीसरी बार कमान दी गई है। वहीं, महेंद्र भट्ट दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बने। महाराष्ट्र में रवींद्र चव्हाण, आंध्रप्रदेश में पीएनवी माधव और तेलंगाना में रामचंद्र राव को चुना गया है। तेलंगाना में रामचंदर राव को प्रत्याशी बनाए जाने पर विवाद हुआ था। गोशामहल से विधायक टी राजा ने विरोध करते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। 2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो जाएगी। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50त्न राज्यों में चुनाव होने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं।

महिलाएं होंगी लाभान्वित : मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में एक बगिया मां के नाम से नई योजना आरंभ की जा रही है। इसमें प्रदेश स्तर पर स्व-सहायता समूह की 30 हजार महिलाओं की 30 हजार एकड़ भूमि पर लगभग 900 करोड़ की लागत से आजीविका संवर्धन के लिए 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कर फल उद्यान विकसित किए जाएंगे। इस योजना में हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग और सिंचाई के लिए जल कुंड बनाने के लिए भी धनराशि प्रदान की जाएगी। उद्यान विकास के लिए महिला हितग्राहियों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा

कि प्रदेश की लगभग 100 नदियों के उद्गम स्थलों पर 10-10 एकड़ भूमि पर 42 करोड़ रुपए की लागत से पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई से 15 सितंबर तक एक पेड़ मां के नाम अभियान आयोजित होगा, जिसे पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वन, उद्यानिकी सहित सभी विभाग जनसहभागिता से संचालित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी जिलों में जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया जाना है। समिति में सांसद, विधायक, पंचायत तथा नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों के साथ ही चिकित्सा, विधि, इंजीनियरिंग, समाज सेवा, कृषि, उद्यानिकी डेयरी आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ और प्रख्यातजन शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत का पानी खेत में संचित करने के उद्देश्य से प्रदेश में 85 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण किया गया। भूजल संवर्धन के लिए 1 लाख से अधिक कुओं का पुनर्भरण किया गया। पानी की अमृत बूंद को सहेजने के लिए अमृत सरोवर 2.0 के तहत 1000 से अधिक नए अमृत सरोवरों का निर्माण प्रारंभ हुआ।

हिमाचल के मंत्री पर अपनी ही सरकार में एफआईआर

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंत्री अनिरुद्ध सिंह पर अपनी ही सरकार में शिमला में स्न्नढ्ढक्रदर्ज हो गई है। पंचायती राज मंत्री पर आरोप है कि उन्होंने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रोजेक्ट मैनेजर और साइट इंजीनियर को कमरे में ले जाकर पीटा। इसके अलावा पानी से भरा घड़ा मारकर सिर फोड़ दिया। अधिकारियों से मारपीट का पता चलते ही केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कड़ा रुख दिखाया। उन्होंने सीएम सुखविंदर सुक्खू को कहा कि इस मामले में कार्रवाई की जाए।

कर्नाटक सीएम पद पर फिर विवाद

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर अंदरूनी खींचतान तेज हो गई है। इस बीच कांग्रेस नेता और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला बेंगलुरु दौरे पर पहुंचे हैं और पार्टी विधायकों के साथ लगातार मीटिंग कर रहे हैं।डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के करीबी विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया कि करीब 100 विधायक मुख्यमंत्री बदलने के पक्ष में हैं।

अगर अब बदलाव नहीं हुआ, तो 2028 का चुनाव कांग्रेस नहीं जीत पाएगी। हुसैन ने कहा, हम सुरजेवाला से यह मुद्दा खुलकर उठाएंगे। शिवकुमार ने पार्टी के लिए दिन-रात मेहनत की है और उन्हें अब सीएम बनने का मौका मिलना चाहिए। दरअसल, 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत में डीके शिवकुमार की अहम भूमिका रही थी। तब वे मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे, लेकिन पार्टी हाईकमान के कहने पर उन्होंने डिप्टी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी स्वीकार की। उस समय रोटेशनल ष्ट्ररू फॉर्मूले की बात भी सामने आई थी, लेकिन इसे कभी सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं मिली। अब एक बार फिर यह मुद्दा खुलकर सतह पर आ गया है। रणदीप सुरजेवाला सोमवार को बेंगलुरु पहुंचे थे। उनके इस दौरे को सीएम और डिप्टी ष्ट्ररू में बढ़ रही दरार से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उन्होंने इन अटकलों को खारिज कर दिया और अपने दौरे को संगठनात्मक समीक्षा बताया। उन्होंने मीडिया से नेतृत्व परिवर्तन की बात को कल्पना कहा। सिद्धारमैया ने भी मैसूर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार 'बांदे' यानी चट्टान की तरह पांच साल चलेगी।

बेंगलुरु भगदड़ केस में सस्पेंड सीनियर आईपीएस बहाल

बेंगलुरु। (एजेंसी)। बेंगलुरु भगदड़ केस में सस्पेंड आईपीएस विकास कुमार को मंगलवार को सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल ने बहाल कर दिया। सीएटी ट्रिब्यूनल ने कहा कि हादसे के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जिम्मेदार है। सीएटी ने कहा, पुलिस भगवान या कोई जादूगर नहीं है। पुलिस को व्यवस्था करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जाता तो उससे भारी भीड़ को नियंत्रित करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आरसीबी ने विक्ट्री परेड से पहले पुलिस से परमिशन नहीं ली। अचानक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी पोस्ट की, जिसके चलते भीड़ इकट्ठा हो गई। 5 लाख लोगों की भीड़ इकट्ठा करने के लिए फ्रेंचाइजी ही जिम्मेदार है। आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद आरसीबी ने 4 जून को विक्ट्री परेड निकाली थी। इस दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, इसमें 11 लोगों की जान गई थी और 75 लोग घायल हो गए थे। इस केस में आईपीएस अधिकारी विकास कुमार को सस्पेंड किया गया था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि निलंबन पुख्ता सबूतों पर आधारित नहीं है। पुलिस अधिकारियों को बिना किसी पर्याप्त सबूत या आधार के सस्पेंड कर दिया गया है।

प्रियांक खड़गे बोले-केंद्र में आए तो आरएसएस को बैन करेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो आरएसएस पर बैन लगाया जाएगा। प्रियांक ने आरएसएस पर धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के खिलाफ काम करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पहले भी दो बार आरएसएस पर बैन लगाया था और अब उन्हें उसे हटाने का अफसोस है। उनके मुताबिक, संघ हमेशा समानता और आर्थिक न्याय

के विरोध में रहा है। प्रियांक खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे हैं और अभी कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं। पहले भी आरएसएस को बैन करने की बात कर चुके हैं। 2 साल उन्होंने कर्नाटक में आरएसएस को बैन करने की बात कही थी। प्रियांक खड़गे ने ऋस्स् भाजपा से देश को लेकर कोई सवाल नहीं पूछती। प्रियांक ने कहा कि आरएसएस अपनी राजनीतिक पार्टी भाजपा से ये सवाल क्यों नहीं पूछती कि देश में बेरोजगारी क्यों बढ़ रही है और पहलगाम में आतंकी हमला कैसे हुआ, ये किसकी चूक थी। यह प्रश्न न पूछकर संघ के लोग समाज में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं।

पटाखा फैक्ट्री में धमाका

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोग और फंसे हो सकते हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। घायलों को इलाज के लिए विरुधुनगर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।विरुधुनगर जिले के एसपी कन्नन ने बताया कि शिवकाशी के पास चिन्नाकामनपट्टी गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में धमाका हुआ। हादसे के बाद फैक्ट्री से लगातार धुएं का गुबार उठता दिखा और अंदर पटाखों के

फटने की आवाजें आती रहीं। घटना की जांच की जा रही है। अमरोहा की एक पटाखा फैक्ट्री में 16 जून की दोपहर करीब 12.30 बजे हुए ब्लास्ट में 4 महिलाओं की मौत हो गई। इनमें से एक महिला की नौकरी का पहला ही दिन था।

जंगी जहाज तमाल भारतीय नौसेना में शामिल

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना को सबसे आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट 'आईएनएस तमाल' मिल गया है। आईएनएस तमाल को रूस के कैलिनिनग्राद में कमीशन किया गया। कमीशनिंग सेरेमनी वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह की अध्यक्षता में हुआ। तमाल रूस से मिला आठवां और तुशिल क्लास की दूसरी वॉरशिप है। यह 2016 में हुए भारत-रूस रक्षा समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत चार तलवार-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। इनमें से दो रूस के यंतर शिपयार्ड में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में बन रहे हैं। तमाल को रूस के यंतर शिपयार्ड में भारतीय विशेषज्ञों की निगरानी में तैयार किया गया है। इसमें 26 प्रतिशत स्वदेशी तकनीक शामिल है। यह जहाज 30 नॉट्स से ज्यादा की रफ्तार से चल सकता है और समुद्र के भीतर से लेकर हवा तक हमला करने की क्षमता रखता है। आईएनएस तमाल ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है और रडार की पकड़ में भी नहीं आएगा। इसे नौसेना के पश्चिमी बेड़े में शामिल किया जाएगा। जहां ये अरब-हिंद सागर में तैनात होगा और पाकिस्तानी सीमा की निगरानी करेगा। इस युद्धपोत की खास बात इसका नाम और प्रतीक है। 'तमाल', इंद्र के पौराणिक तलवार का नाम है, और इसकी प्रतीकात्मक पहचान 'जाम्बवन्त' व रूसी भालू से प्रेरित 'ग्रेट बेयर्स' है। तमाल भारतीय और रूसी सहयोग का प्रतीक है और इसका आदर्श वाक्य 'सर्वदा सर्वत्र विजय' इसके जज्बे को दर्शाता है।

पंजाब सरकार फिर लेगी 8,500 करोड़ का कर्ज

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब सरकार जुलाई से सितंबर तिमाही के दौरान करीब 8,500 करोड़ रुपए का नया कर्ज लेने जा रही है। यह कर्ज भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी के अधीन होगा और बाजार से जुटाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक सरकार जुलाई में 2,000 करोड़ रुपए, अगस्त में 3,000 करोड़ रुपए और सितंबर में 3,500 करोड़ रुपए का कर्ज लेगी। इससे पहले सरकार अप्रैल और मई में 6,241.92 करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी है। कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक लिया गया कुल कर्ज 14,741.92 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा।

नया कर्ज लेने की जानकारी के बाद विरोधियों ने सरकार को घेर लिया है और विरोध करना शुरू कर दिया है। पंजाब सरकार ने इस पूरे वित्त वर्ष में 34,201.11 करोड़ का कर्ज उठाने का लक्ष्य रखा है।

कोलकाता गैंगरेप- तीनों आरोपियों के डीएनए सैंपल लिए गए

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता गैंगरेप केस के तीनों आरोपियों के सैंपल लिए जा चुके हैं। मेडिकल कॉलेज में 30 जून को मनोजीत मिश्रा, प्रमित मुखर्जी और जैद अहमद के फ्लूइड, यूरिन और बालों के नमूने लिए गए। यह प्रक्रिया करीब आठ घंटे तक चली।

पुलिस ने जांच पर कहा, तीनों आरोपियों ने कई दिन से पीड़िता को ट्रैक कर रहे थे। मिश्रा ने पीड़िता को कॉलेज में दाखिला लेने के पहले दिन से

ही निशाने पर लिया था।

प्लानिंग के बाद वारदात की गई। पुलिस ने चेतावनी भी दी है कि अगर पीड़ित लड़की की पहचान उजागर की तो एक्शन लिया जएगा। उधर, लॉ कॉलेज ने गैंगरेप के मुख्य आरोपी और दो अन्य आरोपियों को सस्पेंड कर दिया है। साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज में 25 जून को गैंगरेप एक छात्रा से गैंगरेप हुआ था।

मुख्य आरोपी यहीं का पूर्व छात्र मनोजीत मिश्रा है। इसमें दो स्टूडेंट जैब अहमद, प्रमित मुखर्जी और एक गार्ड पिनाकी भी शामिल हैं। जांच के लिए 9 मेंबर्स की एसआईटी बनाई गई है।

उत्तराखंड में निहंगों का झगड़ा, छुड़ाने आए पुलिसकर्मी को पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ के पास हेमकुंड साहिब के दर्शन को आए निहंग सिखों और एक स्थानीय व्यापारी के बीच सोमवार को स्कूटर को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान जब एक पुलिस अधिकारी बीच-बचाव करने पहुंचे, तो उन पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया गया, जिससे वह घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, निहंगों ने व्यापारी पर तलवार से हमला करने की कोशिश की, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। बाद में जब पुलिस ने निहंगों को थाने के पास रोका, तो बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी भी वहां पहुंच गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 निहंग सिखों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

मेरी सच्चाई सीएम को पता

भोपाल। मध्यप्रदेश की पीएचई मंत्री संपतिया उइके ने अपने ऊपर लगे 1000 करोड़ के कमीशन लेने के आरोप पर मंगलवार को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं बिल्कुल सही हूं, सांच को आंच नहींज। जिस तरह से जांच करें, मुझे कोई दिक्कत नहीं है। मेरी सच्चाई मुख्यमंत्री को पता है, वो जवाब देंगे। इधर, कैबिनेट बैठक में मंत्री के ऊपर लगे आरोप और जांच का मामला उठा। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि अपने ही विभाग की मंत्री के खिलाफ जांच बैठाने वाले पीएचई विभाग के प्रमुख अभियंता के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बता दें, पीएचई मंत्री संपतिया उईके पर 1000 करोड़ रुपए कमीशन लेने के आरोप लगे थे। इस पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने उनके खिलाफ जांच बैठा दी थी। प्रमुख अभियंता (ईएनसी) संजय अंधवान ने प्रधानमंत्री से की गई शिकायत और केंद्र की ओर से मांगी गई रिपोर्ट के बाद जांच के आदेश दिए थे। पूर्व विधायक किशोर समरीते ने 30 हजार करोड़ के जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। पीएचई मंत्री संपतिया ने कहा कि जिस तरह से जांच करें, मुझे कोई दिक्कत नहीं है। अगर किसी के विरुद्ध शिकायत हुई है तो उसकी जांच होती है। किशोर समरीते की ओर

से प्रधानमंत्री को की गई शिकायत के बाद मुख्य सचिव कार्यालय को प्रधानमंत्री कार्यालय से निर्देश मिले थे। मुख्य सचिव ने पीएचई विभाग के प्रमुख सचिव को इसके लिए निर्देशित किया। इसके बाद प्रमुख सचिव ने ईएनसी को इसकी जांच के लिए पत्र आगे बढ़ा दिया। 12 अप्रेल को पीएम को भेजे गए पत्र पर 22 अप्रेल से एमपी में यह प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बाद 23 अप्रेल, 24 अप्रेल और 25 अप्रेल को इसके निर्देश निचले अफसरों को दिए जाते रहे।

प्रमुख अभियंता ने 21 जून को इसकी जांच मुख्य अभियंताओं से कराने संबंधी पत्र जारी किया।

भारत-पाक सीजफायर पर ट्रम्प का दावा खारिज किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में ट्रम्प के दावे को खारिज किया। जयशंकर ने कहा- भारत-पाकिस्तान सीजफायर में अमेरिका के साथ व्यापार का कोई संबंध नहीं है। मंगलवार को अमेरिका में न्यूजवीक मैगजीन के सीईओ देव प्रसाद के साथ इंटरव्यू के दौरान उन्होंने ये बात कही। जयशंकर ने कहा- 9 मई की रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी से बात की थी। मैं भी उस दौरान उसी कमरे में था। वेंस ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान भारत पर बड़े हमले की योजना बना रहा है। पीएम मोदी ने इसकी परवाह न करते हुए कहा था- हमले का जवाब दिया जाएगा। विदेश मंत्री ने कहा- अगली सुबह (10 मई) अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पीएम से संपर्क किया। कहा- पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार है। इसके बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ

अब्दुल्ला ने भारत के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई से संपर्क किया और सीजफायर की रिक्वेस्ट की थी। दरअसल, 10 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की सबसे पहली सूचना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने ङ्ग पोस्ट के जरिए दी थी। ट्रम्प ने कई मौके पर कहा है कि भारत-पाकिस्तान को व्यापार न करने की धमकी दी थी, इसके बाद दोनों देश सीजफायर के लिए माने। जयशंकर ने कहा- घटनाक्रम उस तरह से नहीं हुआ था। कूटनीति और व्यापार संबंधी चर्चा पूरी तरह से अलग हैं। मुझे लगता है कि व्यापार से जुड़े लोग वही कर रहे हैं जो उन्हें करना चाहिए, जैसे- नंबर, लाइनों, प्रोडक्ट्स और व्यापार समझौता। वे सभी इसके प्रोफेशनल हैं और फोकस्ड हैं। भारत का रुख साफ है आतंकवादियों को किसी भी तरह से नहीं छोड़ा जाएगा। अब उन्हें प्रॉक्सी को तौर पर नहीं देखा जाएगा। आतंकियों को पालने वाली सरकारों को नहीं बख्शेंगे। चर्चा के दौरान जयशंकर ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सोचा समझा आर्थिक युद्ध था। इसका मकसद कश्मीर में पर्यटन उद्योग को बर्बाद करना था। यह हमला पर्यटन पर हमला था, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आतंकी चाहते थे कि लोग डरें, पर्यटक न आएं और घाटी का आर्थिक ढांचा टूट जाए। हमलावरों ने धार्मिक पहचान के आधार पर लोगों को अलग किया और फिर हत्या की, ताकि सांप्रदायिक तनाव फैल सके।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित, जोफ्रा आर्चर बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईसीबी और टीम मैनेजमेंट ने मिलकर एक बोल्ड फैसला भारत के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले लिया है। बुधवार 2 जुलाई से एजबेस्टन में भारत के खिलाफ खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। वहीं आश्चर्य की बात ये है कि इंग्लैंड टीम में कोई भी बदलाव नहीं किया गया है।

ऐसे में जोफ्रा आर्चर को फिलहाल के लिए बाहर बैठना पड़ेगा। लगातार दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की ओर से दो दिन पहले प्लेइंग इलेवन का ऐलान देखने को मिला है। अभी तक इंग्लैंड की ओर से एक दिन पहले टीम की घोषणा होती थी, लेकिन जब मैच से दो दिन पहले इसका ऐलान किया गया है। हेडिंग्ले में एक अविश्वसनीय जीत के बाद मेजबान टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है, जिसमे उसने चौथी पारी में 371 रनों का पीछा करते हुए जीत दर्ज की। इंग्लैंड की स्क्वॉड में जरूर बदलाव हुआ था, लेकिन मुकाबले के लिए प्लेइंग इलेवन पहले मैच वाली ही है। कहा जा रहा था कि इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए दूसरे टेस्ट मैच में जोफ्रा आर्चर को उतार सकता है, लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिला। जोफ्रा आर्चर वैसे भी पारिवारिक इमरजेंसी के कारण प्रैक्टिस सेशन में नजर नहीं आए। शायद इसी कारण से टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया हो।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, जेमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, ब्राइडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

सुरुचि सिंह और सौरभ ने निशानेबाजी राष्ट्रीय चयन ट्रायल में किया बेहतरीन प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को देहरादून में आयोजित निशानेबाजी राष्ट्रीय चयन ट्रायल के 'टी4' 10 मीटर पिस्टल महिला वर्ग में सुरुचि इंदर सिंह ने शानदार सत्र को जारी रखते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं ओलंपियन सौरभ चौधरी पुरुष वर्ग में पहले स्थान पर रहे। सुरुचि और सौरभ दोनों ने त्रिशूल निशानेबाजी परिसर में ग्रुप ए में क्रमश: 588 और 587 के उच्च स्कोर के साथ अपने-अपने क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष स्थान हासिल किया। सुरुचि ने फाइनल में शुरू से ही दबदबा कायम करते हुए 244.3 का स्कोर बनाया। यह दूसरे स्थान पर रही अंजलि शेखावत से 3.1 अधिक था। अनुभवी रही सरनोबत ने 221.6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही। ओलंपियन मनु भाकर और ईशा सिंह क्रमश: 202.5 और 179.6 के स्कोर के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। सुरुचि ने जीत दर्ज करने के बाद कहा, ''मेरी निशानेबाजी के तरीके में कोई बड़ा राज नहीं है। मैं घड़ी नहीं देखती या यह नहीं सोचती कि कितनी जल्दी निशाना साधा जाये, मैं तब तक अपना खेल जारी रखती हूं जब तक काम पूरा न हो जाए। लय बनने के बाद चीजें स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ती जाती है। यह मेरे फोकस बनाए रखने में मदद करता है।' ' पुरुषों के फाइनल में सौरभ ने 245.7 के स्कोर के साथ पहला स्थान प्राप्त किया, जो दूसरे स्थान पर रहे सुभाष सिहाग से 0.4 अंक अधिक था। सुभाष ने 245.3 का स्कोर हासिल किया।

अर्शदीप सिंह ने किया खुलासा, बताया कोच मोर्न मोर्कल के साथ क्यों कर रहे थे डब्ल्यूडब्ल्यूई फाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया एजबेस्टन में अभ्यास कर रही है, इसी मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच 2 जुलाई से दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। अभ्यास का एक वीडियो मीडिया पर खूब वायरल हो रहा था, जिसमें तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, आकाश दीप गेंदबाजी कोच मोर्न मोर्कल से मस्ती भरे अंदाज में लड़ते हुए दिख रहे थे। दोनों कोच को पटखनी देते हुए नीचे गिर रहे थे, अब इस पर खुद अर्शदीप ने खुलासा किया है वह ऐसा क्यों कर रहे थे। सोमवार को बीसीसीआई ने एक वीडियो शेयर किया, इसमें अर्शदीप सिंह ने बताया कि आखिर वह तीनों ऐसा क्यों कर रहे थे। अर्शदीप लीड्स में हुए पहले टेस्ट में नहीं खेले थे, देखना होगा कि क्या वह दूसरा टेस्ट खेलेंगे या नहीं क्योंकि बुमराह को खेलना मुश्किल है। वीडियो में अर्शदीप सिंह ने कहा कि, मोर्न मोर्कल ने कहा था कि जैसे ही तुम्हारा सेशन खत्म हो जाए, तो मैं हमेशा लास्ट मूव करूंगा, मैं तुम्हें पिन आउट करूंगा और उसके बाद कोई प्रैक्टिस नहीं होगी। उसने मुझे नया तरीका ढूंढा है दिन कॉल ऑफ करने का आज वह करके दिखा रहे थे।

अर्शदीप ने भारत के लिए वनडे और टी20 फॉर्मेट में खेला है, लेकिन टेस्ट डेब्यू नहीं किया है। उन्होंने 21 फर्स्ट क्लास मैचों में 66 विकेट लिए हैं, जिसमें 2 बार 5 विकेट हॉल किया है। हो सकता है कि उन्हें एजबेस्टन में डेब्यू कैप मिल जाए, क्योंकि यहां की पिच तेज गेंदबाजों को मदद करेगी और जसप्रीत बुमराह वर्कलोड के चलते दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं।

भारत के आयुष शेट्टी ने जीता पहला वर्ल्ड टूर यूएस ओपन,

नई दिल्ली। भारत के उभरते बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग पर सीधे गेम में जीत के साथ अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता है। इसके साथ ही इस सत्र में भारत का खिताबी सूखा खत्म हुआ। 2023 जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप के कांस्य विजेता 20 वर्षीय आयुष ने तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट में 21-18, 21-13 से हरा दिया। वहीं, महिला एकल फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा शीर्ष वरीय अमेरिका की बेवेन झांग से तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले मं हारकर उप विजेता रहीं। अपना पहला वर्ल्ड टूर फाइनल खेल रहीं गैरवरीय तन्वी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष की यांग पर ये तीसरी जीत रही। उन्होंने इ साल के शुरू में मलेशिया ओपन और ताइपे ओपन में उन्हें हराया था।

आयुष ने इस पूरे हफ्ते में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चाउ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद जीत हासिल की थी। पुरुष एकल फाइनल की शुरुआत में स्कोर 6-6 से बराबर रहा था, लेकिन चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने कई विनर्स लगाकर मिड तक यांग पर 11-6 की बढ़त बना ली।

वैभव सूर्यवंशी ने चार दिन में दूसरी बार बल्ले से उड़ाया गर्दा, इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर की धुलाई

नई दिल्ली।(एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर बेतरीन प्रदर्शन किया है। भारत और इंग्लैंड की अंडर-19 टीमों के बीच दूसरा वनडे मैच खेला जा रहा है। 14 वर्षीय युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी ने सभी का दिल जीत लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ इस दूसरे वनडे मैच में वैभव ने 45 रनों की तूफानी पारी खेली। पिछले मैच की तरह इस मुकाबले में भी वैभव अर्धशतक लगाने से चूक गए।

इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी। तब कप्तान आयुष म्हात्रे बिना खाता खोले ही पहली गेंद पर आउट हो गए। इंग्लैंड को भारत के कप्तान की विकेट पहली ही गेंद पर मिल गई। लेकिन दूसरे सिरे पर बल्लेबाज करने आए वैभव सूर्यवंशी खड़े थे। वैभव ने 34 गेंदों में 45 रनों की बेहतरीन पारी खेली। इस पारी में वैभव ने पांच चौके और तीन छक्के लगाए।

वहीं भारत की अंडर-19 टीम बेहतरीन बल्लेबाजी कर रही है। वैभव सूर्यवंशी के 45 रन पर आउट होने के बाद विहान मल्होत्रा और मौल्यराज सिंह छाबड़ा ने भारत की पारी को संभाला है। इस वनडे मैच में 20 ओवर के बाद भारत कास्कोर 2 विकेट के नुकसान पर 116 रन हो गया है। विहान 49 गेंदों में 39 रन पर और छाबड़ा 39 गेंदों में 21 रन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

यश दयाल पर यौन शोषण मामले में आया नया मोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी के खिलाड़ी यश दयाल पर शादी का झांसा देकर शोषण करने का आरोप लगने की खबरें पिछले हफ्ते सामने आई थी। इस महिला ने बताया कि उनका यश दयाल के साथ 5 सालों तक रिश्ता चला था। लेकिन इस दौरान उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से शोषण किया गया था। अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यश दयाल के कई महिलाओं के साथ संबंध थे। अनुसारा, शिकायत करने वाली महिला ने आरोपों की लिस्ट लंबी कर दी है। शिकायत में दावा किया गया है कि यश दयाल के कई महिलाओं के साथ संबंध थे। गाजियाबाद पुलिस ने उनका स्टेटमेंट दर्ज करने के बाद भारतीय क्रिकेट को नोटिस भेज दिया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यश दयाल की इस महिला के साथ बातचीत सोशल मीडिया के माध्यम से शुरू हुई थी। ये महिला यश दयाल के परिवार के करीब थी और उनके घर पर रह चुकी थी। हालांकि, यश दयाल के पिता ने उनसे पहचान से इनकार कर दिया है। शिकायत दर्ज करने वाली महिला ने ये भी दावा किया कि वो फरवरी 2025 में एक आरसीबी प्लेयर के शादी समारोह में शामिल हुई थी। जहां उनकी और यश की सगाई की बात छिड़ी थी। उसने बताया कि जब तक यश उनके साथ रिश्ते में रहे इस दौरान आरसीबी का ये स्टार खिलाड़ी कई अन्य रिलेशन में भी रहा। 17 अप्रैल को उसे एक और महिला का कॉल आया जिसने यश के साथ रिलेशन में होने का सबूत दिया था। 3 अन्य महिलाएं भी ऐसे ही दावे कर चुकी हैं। इस महिला ने कहा कि, पावर, पैसा और फेम के जरिए इस मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन मुझे भारतीय न्याय प्रणाली पर पूरा विश्वास है। मैं इस सबको नजरअंदाज कर सकती थी लेकिन मुझे कैसा पता चलता कि वो धोखा दे रहे हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी केशव महाराज ने रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका टीम के मौजूदा कप्तान केशव महाराज ने टेस्ट क्रिकेट में नया कीर्तिमान हासिल किया है। दरअसल, केशव महाराज ने टेस्ट में 200 विकेट ले लिए हैं। ऐसा करने वाले वो पहले साउथ अफ्रीका स्पिन गेंदबाज बन गए हैं। केशव महाराज पिछले 9 सालों से साउथ अफ्रीका टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। 35 साल का ये खिलाड़ी टीम में लीड स्पिन गेंदबाज के तौर पर है। डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतने के बाद साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा चोटिल हो गए थे। जिसके कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम की कमान केशव महाराज को सौंपी गई है। अब केशव महाराज ने टेस्ट करियर में 200 विकेट हासिल कर लिए हैं। केशव महाराज जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अपना 59वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं। इस सीरीज में केशव महाराज ने 200वां विकेट लिया है। केशव वनडे में 48 मैचों में 58 विकेट हासिल कर चुके हैं। वहीं टी20 में साउथ अफ्रीका टीम के इस स्पिन गेंदबाज ने 39 मैचों में 38 विकेट झटके हैं। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है, जिसमें साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

इस पूर्व कप्तान ने ईसीबी पर साधा निशाना, कहा- इंग्लैंड ने पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलकर सही नहीं किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय दिग्गज फारुख इंजीनियर ने कहा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की ट्रॉफी का नाम बदलकर गलत किया और दिवंगत मंसूर अली पटौदी के नाम पर मेडल देने का फैसला उनके जैसे फैंस को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने 2007 में भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए पटौदी ट्रॉफी की शुरुआत की थी, लेकिन पांच मैचों की मौजूदा सीरीज शुरू होने से पहले इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया। इस फैसले की सुनील गावस्कर जैसे क्रिकेटरों ने आलोचना की थी। इंजीनियर भी इस फैसले से निराश हैं लेकिन इसके साथ उन्हें ये भी लगता है कि सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन की उपलब्धियां निर्विवाद हैं। तेंदुलकर ने ईसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद घरेलू बोर्ड ने सीरीज जीतने वाली टीम के कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया।

मैनचेस्टर में रहने वाले इंजीनियर ने पीटीआई से कहा कि, टाइगर पटौदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थी। हमने काफी टेस्ट मैच साथ में खेले। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब 2007 में ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रखा गया। उन्होंने कहा कि, एक ओर जहां मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि पटौदी का नाम हटा दिया गया। मैं चाहता हूं कि टाइगर का नाम इस ट्रॉफी से जुड़ा रहता लेकिन इसके बजाय सचिन और एंडरसन के नाम पर इस ट्रॉफी का नाम रखने का फैसला किया गया जो खेल के दिग्गज हैं।

इंजीनियर ने आगे कहा कि, इसके बारे में बाद में सोचा गया। उन्हें इसकी घोषणा शुरू में ही कर देनी चाहिए थी, इसके ज्यादा विश्वसनीयता होती लेकिन कम से कम उन्होंने कम से कम उन्होंने कुछ तो किया। उम्मीद है कि पटौदी नाम इसे हमेशा जुड़ा रहेगा।

उन्होंने कहा कि, तेंदुलकर और एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इस कहानी के दो पहलू हैं। उन्होंने पदक का नाम पटौदी के नाम पर रखा है जो बहुत सोच-समझकर किया गया फैसला है।

भारत में क्रिकेट कमेंट्री के गिरते स्तर पर नाराज हुए रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक दशक में भारतीय क्रिकेट टीम ने मैदान पर काफी उतार-चढ़ाव देखा है। इस दौरान कभी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से दिल जीता तो कभी फैंस को निराश भी होना पड़ा। लेकिन इस बीच एक चीज का स्तर लगातार गिरता गया है

और वह है क्रिकेट कमेंट्री। एक दौर था, जब रेडियो पर कमेंट्री सुनकर मैच सुनने वाले मैदान की फील्डिंग से लेकर बॉलर और कप्तान के साथ बल्लेबाज की रणनीति तक समझ लेते हैं। आज 72 कैमरों से लाइव प्रसारित होने के बावजूद युवाओं को ये समझ नहीं आता कि गली और प्वाइंट में क्या अंतर है। हाल ही में भारतीय टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा ने क्रिकेट कमेंट्री के गिरते स्तर पर नाराजगी जताई है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में कमेंट्री की क्वालिटी की तुलना भारतीय कमेंट्री से करते हुए इसे निराशाजनक बताया। रोहित ने कहा कि, जब हम यहां टीवी पर मैच देखते हैं तो कमेंटेटर्स का बोलने का तरीका बहुत निराशाजनक है।

ऑस्ट्रेलिया में कमेंट्री का स्तर बिल्कुल अलग और बेहतर है। यहां भारत में ऐसा लगता है कि कमेंटेटर्स का मकसद सिर्फ एक खिलाड़ी को निशाना बनाकर नेगेटिव बातें करना है। रोहित ने आगे कहा कि भारतीय कमेंट्री खेल की बारीकियों और तकनीक पहलुओं पर ध्यान देने के बजाय विवादों को बढ़ावा देने पर फोकस है, जो असली क्रिकेट फैंस के लिए अच्छा नहीं है। ये बयान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद दिया, जिसने क्रिकेट जगत में चर्चा को जन्म दिया है। बता दें कि, इससे पहले भी कई क्रिकेट फैंस ने अपने आइडल को सोशल मीडिया पर टैग कर, कमेंट्री की क्वालिटी को बेहतर करने की अपील की थी और सहवाग-हरभजन जैसे खिलाड़ियों ने उनकी बात को नजरअंदाज नहीं किया।

छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में बम की अफवाह से हड़कंप, 400 किमी तक जोखिम में रहे 1700 यात्री

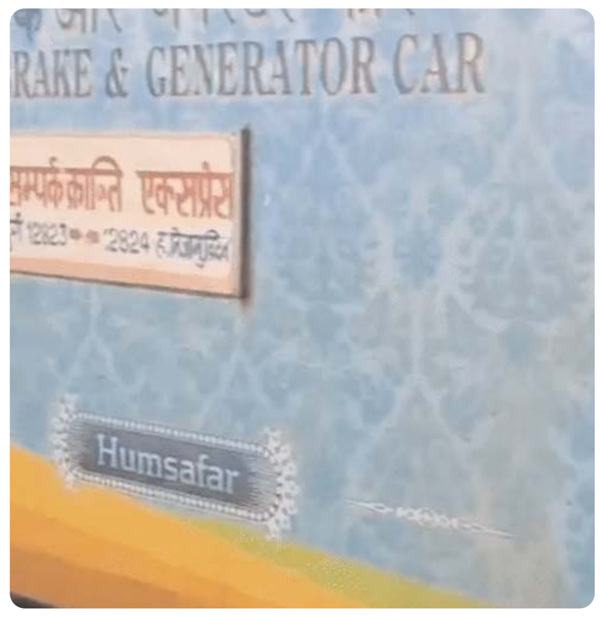

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। झांसी के वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार देर रात छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (12824) में बम होने की सूचना से अफरा-तफरी मच गई। दिल्ली में रेलवे हेल्पलाइन पर मिली इस सूचना के बावजूद ट्रेन 400 किलोमीटर तक बिना रुके दौड़ती रही। ट्रेन के झांसी स्टेशन पहुंचते ही सुरक्षा बलों ने इसे घेरकर सघन तलाशी शुरू की।

हजरत निजामुद्दीन से दुर्ग जाने वाली यह ट्रेन शाम 5.55 बजे रवाना हुई थी। मात्र 10 मिनट बाद, रेलवे हेल्पलाइन पर एक अज्ञात व्यक्ति ने स्लीपर डिब्बे में बम होने की सूचना दी। कॉलर ने खुद को यात्री बताया, लेकिन ट्रेन पहले ही स्टेशन छोड़ चुकी थी। दिल्ली से झांसी के बीच फरीदाबाद, मथुरा, आगरा, धौलपुर और ग्वालियर जैसे बड़े स्टेशन आए, लेकिन ट्रेन को कहीं नहीं रोका गया।

लखनऊ जीआरपी को सूचना मिलने के बाद झांसी स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। ट्रेन अपने निर्धारित समय 11.22 बजे से 9 मिनट देरी से 11.31 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर पहुंची। सिटी मजिस्ट्रेट प्रमोद झा, एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार, आरपीएफ कमांडेंट विवेकानंद नारायण और स्टेशन निदेशक सीमा तिवारी के नेतृत्व में जीआरपी, आरपीएफ, बम निरोधक दस्ता और कुत्ता दस्ते ने तलाशी शुरू की।

सभी यात्रियों को सामान सहित डिब्बों से उतारा गया और प्लेटफॉर्म नंबर 2 को खाली कराया गया। 50 मिनट तक चले सर्च ऑपरेशन में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच में बम की सूचना अफवाह साबित हुई, जिसके बाद रात 12.24 बजे ट्रेन को दुर्ग के लिए रवाना किया गया।

1700 यात्रियों की जान जोखिम में: इस ट्रेन में 22 डिब्बे हैं, जिनमें 6 स्लीपर (प्रति डिब्बा 80 सीटें), 5 थर्ड एसी (72 सीटें प्रति डिब्बा), 1 थर्ड एसी इकोनॉमी (80 सीटें), 3 सेकेंड और फर्स्ट एसी (46 सीटें प्रति डिब्बा), और 5 सामान्य व दिव्यांग डिब्बे (न्यूनतम 120 यात्री प्रति डिब्बा) शामिल हैं। पेंट्रीकार भी मौजूद है। इस प्रकार, 1700 से अधिक यात्रियों की जान 400 किलोमीटर तक खतरे में रही।

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल: जीआरपी थाना प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि लखनऊ कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी, लेकिन ट्रेन को झांसी से पहले नहीं रोका गया। रेलवे अधिकारियों को मथुरा और आगरा से पहले ही सूचना थी, फिर भी 400 किलोमीटर तक ट्रेन को क्यों नहीं रोका गया, यह जांच का विषय है।

अफवाह फैलाने वाले की तलाश: सुरक्षा बल अब उस व्यक्ति की तलाश में जुटे हैं, जिसने यह अफवाह फैलाई। कॉलर ने दिल्ली से लखनऊ और झांसी तक हड़कंप मचा दिया। जीआरपी और पुलिस मोबाइल नंबर की ट्रेसिंग कर रही है ताकि कॉलर की पहचान और मंशा का पता लगाया जा सके। यह घटना रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाती है। यात्रियों और स्थानीय लोगों ने मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई और बेहतर प्रोटोकॉल लागू किए जाएं।

पत्नी को डॉक्टर ने और डॉक्टर को ड्राइवर ने मार-डाला

मीडिया ऑडीटर, कवर्धा (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में डॉक्टर ने अपनी पत्नी को मार डाला, जिसे डॉक्टर के ड्राइवर ने देख लिया। मर्डर के वक्त ड्राइवर डर गया। उसे लगा कहीं डॉक्टर उसे भी न मार डाले। ड्राइवर ने घबराकर डॉक्टर की हत्या कर दी। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के रामनगर इलाका का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मरने वालों का नाम डॉक्टर गणेश सूर्यवंशी (54) अपनी पत्नी डॉ. उषा (52) है। वहीं डॉक्टर की हत्या करने वाले ड्राइवर का नाम सत्यप्रकाश साहू (35) है। कवर्धा पुलिस ने 8 साल बाद डबल मर्डर केस में आरोपी ड्राइवर पकड़ा गया।

अप्रैल 2017 में वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की कोशिश की। खून के धब्बे साफ किए, फिर शवों को आंगन में घसीटकर रखा। पूरी रात लाशों के पास बैठा रहा। अगली सुबह करीब 5 बजे बस से दुर्ग भाग गया था।

दरअसल, कवर्धा जिले के रामनगर इलाके में 6 अप्रैल को सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि डॉक्टर गणेश सूर्यवंशी और उनकी पत्नी डॉ. उषा अपने ही घर में मृत मिले हैं। पुलिस मौके पर पहुंची, तो दोनों की लाशें आंगन में खून से सनी पड़ी थी।

पहले तो मामला डकैती या बाहरी हमले जैसा लगा, लेकिन घर में ताले टूटे नहीं थे। कीमती सामान भी गायब नहीं थे। लिहाजा जांच मर्डर केस दर्ज शुरू हुई, लेकिन कुछ खास सुराग हाथ नहीं लगा। केस धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में चला गया।

बीजापुर में जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में जवानों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को ढेर कर दिया है। जवानों ने 5 जुलाई की सुबह मारे गए नक्सली का शव और हथियार बरामद किया है। बताया जा रहा है कि 4 जुलाई की रात से रुक-रुककर मुठभेड़ चल रही है। मामला नेशनल पार्क एरिया का है।

बस्तर ढ्ढत्र सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ रात से ऑपरेशन जारी है। पुरुष नक्सली मारा गया है। जवानों की टीम अभी मौके पर मौजूद है। जवानों और नक्सलियों के बीच गोलीबारी चल रही है। बताया जा रहा है कि इस इलाके में नक्सलियों के बड़े कैडर्स की मौजूदगी है।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि नेशनल पार्क एरिया में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर जवानों को सर्च ऑपरेशन के लिए निकाला गया था। 4 जुलाई की शाम जब जवान उस इलाके में पहुंचे तो नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक नक्सली मारा गया।

कांकेर में जवानों ने अबूझमाड़ के मीनडी गांव से 2 नक्सलियों को हथियार और ढ्ढश्वष्ठ बनाने के समान के साथ पकड़ा है। इसमें एक महिला और एक पुरुष नक्सली शामिल हैं। बीएसएफ के 47 और 40 बटालियन ने गिरफ्तार किया है। नक्सलियों के पास से 4 भरमार बंदूक भी बरामद किया है।

रायपुर में फटी पाइपलाइन...12 फीट उठा पानी का फव्वारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर के महावीर नगर चौक स्थित बिजली ऑफिस के पास पानी की मेन पाइप लाइन फट गई। पाइप फटने से तेज प्रेशर के साथ फव्वारे की तरह सड़क पर लाखों लीटर पानी बह गया। सड्डू, मोवा और जोरा समेत 8 इलाके के करीब 3 लाख लोगों को आज शाम पानी नहीं मिलेगा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि, करीब 30 से 45 मिनट तक पानी यू ही सड़क पर बहता रहा। पाइट फटने से लाखों लीटर पानी बर्बाद हो गया है। वहीं, पाइप लाइन डैमेज होने के कारण आज शाम शहर के कई पानी टंकियों से पानी की सप्लाई नहीं होगी। स्थानीय लोगों के मुताबिक देर तक पानी बहता रहा, जिससे लाखों लीटर पीने का पानी बर्बाद हो गया। पानी का फव्वारा करीब 12 फीट ऊपर तक उठा। पाइपलाइन फूटने के बाद नगर निगम के कर्मचारी और अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं।

कोरबा में पुल-सड़क बही...कई गांवों का संपर्क कटा, 19 जिलों में अलर्ट, 7 में बाढ़ का खतरा

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (निप्र)। कोरबा में 20 साल पुराना पुल और सड़क तेज बारिश में बह गया। गेरांव के बांस झर्रा में पुल बहने से बड़मार क्षेत्र का संपर्क कई गांव से कट गया है। मार्ग पर आना जाना बंद हो गया है। इलाके में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं।

मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर और कोरबा में अगले 24 घंटे में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में बाढ़ आने का भी खतरा है। वहीं बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा समेत 10 जिलों में भारी बारिश के साथ बिजली गिर सकती है।

छत्तीसगढ़ में बारिश की बात करें तो 1 जून से अब तक 229.5 मिमी औसत बारिश रिकार्ड की गई है। बीजापुर जिले में सबसे ज्यादा 382.7 मिमी बारिश और बेमेतरा जिले में सबसे कम 81.5 मिमी पानी गिरा है। आने वाले समय में मूसलाधार बारिश की उम्मीद है।

इससे पहले छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को अलग-अलग जिलों के 122 से ज्यादा स्थानों पर पानी बरसा है। 53.6 मिमी औसत बारिश का आंकड़ा दर्ज किया गया है। जो जून-जुलाई मिलाकर एक दिन में सबसे ज्यादा है। इस बीच महासमुंद

जिले के सरायपाली में स्थित रक्सा गांव में स्टॉप डैम के पास अचानक मिट्टी धंसने से वहां खड़ा शख्स लापता हो गया था।

वहीं गौरेला-पेंड्रा मरवाही क्षेत्र में मूसलाधार बारिश हुई है। बारिश से कई एनीकट बह गए हैं। वहीं बिलासपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण को भारी नुकसान पहुंचा है। यह हाईवे अभी आधा भी पूरा नहीं हुआ था कि कारिआम और जोगीसार के बीच निर्माणाधीन पुलिया के लिए बना बाईपास पानी में टूटकर दो हिस्सों में बंट गया।

स्थिति को संभालने के लिए प्रशासन ने यातायात को पेंड्रा और खोडरी के वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट कर दिया है, ताकि बिलासपुर, शहडोल, अनूपपुर और जबलपुर की ओर जाने वाले वाहन आ जा सकें।

1 जून से 2 जुलाई तक प्रदेश में 188.6 मिमी बारिश हो चुकी है। जबकि पूरे जून में नॉर्मली 215 मिमी बारिश रिकॉर्ड की जाती है। इस लिहाज से अब तक बारिश लगभग 12% कम हुई है। सबसे ज्यादा बारिश बलरामपुर में हुई है। यहां सामान्य से लगभग 121% प्रतिशत ज्यादा पानी बरसा है। जिले में अब तक 345.6 मिमी पानी बरस चुका है।

सिंडिकेट बनाकर काम कर रहे थे लालपुर के कर्मचारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर की जिला आबकारी विभाग और फ्लाइंग स्क्वॉड की संयुक्त टीम ने 13 जून को लालपुर के कंपोजिट शराब दुकान से 265 पेटी मिलावटी शराब मिली थी। इसके अलावा 34 पेटी गोवा स्पेशल व्हिस्की बिना होलोग्राम के मिली थी। शराब बिक्री की जांच में टीम को ठेका काउंटर से 12,10,480 रुपए की रकम भी गायब मिली। इस मामले में फरार मुख्य आरोपी शेखर बंजारे को लगभग 22 दिन बाद फ्लाइंग स्क्वॉड की टीम ने अभनपुर के परसट्टी से गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने विभाग को पूछताछ में बताया है कि पिछले चार महीने से पूरा खेल चल रहा था। दुकान में ऑडिट तक नहीं किया जा रहा था। आरोपी दुकान के पास स्थित कार्टून स्टॉक के पास जाकर मिलावट करते थे। इस दौरान शराब लाते-ले जाते वक्त सीसीटीवी कैमरा ऑफ कर दिया जाता था।

आरोपी ने आबकारी विभाग को पूछताछ में बताया कि दुकान के सभी कर्मचारी मिलकर सिंडीकेट की तरह दुकान की शराब में मिलावट करके बेचते थे। ये लोग सस्ती शराब को महंगी बोतलों में भरकर बेच देते थे। सर्किल के आबकारी अधिकारियों को उनके इस काम की जानकारी थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

वहीं अबतक की पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि 34 पेटी गोवा स्पेशल व्हिस्की बाहरी राज्यों से मंगाई गई। जिसे मिलावट कर बिना होलोग्राम के ही कस्टमर्स को बेच दिया जाता था। इसके अलावा मिलावटी शराब के ढक्कन और शीशी की बोतल लोकल मार्केट से उठाते थे।

बिलासपुर में नशेबाज असिस्टेंट डायरेक्टर सस्पेंड

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर में शिक्षा विभाग के सहायक संचालक मुकेश मिश्रा को सस्पेंड कर दिया गया है। उन्हें लोकशिक्षण संचालनालय में अटैच किया गया है। आरोप है कि नशे में धुत अफसर ने शिक्षक साझा मंच के प्रतिनिधिमंडल के साथ दुर्व्यवहार किया था। जिसकी शिकायत पर जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है।

दरअसल, 13 जून को युक्तियुक्तकरण की शिकायत लेकर शिक्षक साझा मंच का प्रतिनिधिमंडल ज्ञापन देने शिक्षा विभाग के संभागीय कार्यालय पहुंचा था। जिसमें शिक्षक नेता और प्रभावित शिक्षक शामिल थे।

इस दौरान सहायक संचालक मुकेश मिश्रा नशे में था। उसने शिक्षक और शिक्षिकाओं के साथ अनुशासनहीनता करते हुए दुर्व्यवहार किया। पुलिस अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि मिश्रा नशे की हालत में थे और उनका व्यवहार अवांछित था।

छात्राएं बोलीं- ब्रेक में बुलाकर प्रिंसिपल बैड-टच करते हैं

विरोध करने पर 4 छात्राओं को फेल किया, मार्कशीट में हेरफेर की, आक्रोशित पेरेंट्स ने स्कूल में जड़ा ताला

मीडिया ऑडीटर, गरियाबंद (निप्र)। गरियाबंद जिले में अकलवारा हायर सेकेंडरी स्कूल का प्रिंसिपल छात्राओं को अश्लील इशारे करता और ब्रेक में उन्हें बुलाकर बैड टच करता था। विरोध करने पर उसने 4 छात्राओं को फेल कर दिया। वहीं, 7 अन्य छात्राओं ने भी उस पर अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया।

छात्राओं के मुताबिक प्रिंसिपल ने उनके मार्कशीट में हेरफेर भी की। जांच में इसकी पुष्टि हुई है। सबूत के साथ ष्ठश्वह्र को आवेदन देने के बावजूद अनसुना कर दिया गया, जिसके बाद गुस्साए परिजन और छात्र-छात्राओं ने स्कूल में ताला जड़ दिया।

शाला विकास समिति के अध्यक्ष उदित सेन ने बताया कि इस मामले में पहले ही शिकायत की गई थी। जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच समिति का गठन किया। जांच में आरोप सही पाए गए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

मामले में कार्रवाई नहीं होने पर छात्राओं और उनके परिजनों ने आज यानी 5 जुलाई को स्कूल में ताला लगा दिया और प्रदर्शन किया। अभिभावकों का कहना है कि मामला गंभीर है और प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए थी।

प्रिंसिपल के व्यवहार से बाकी स्टूडेंट्स भेदभाव किए- पीड़िता

पीड़ित छात्रा छाया (बदला हुआ नाम) ने कहा कि प्रिंसिपल जीपी वर्मा लड़कियों को गलत तरीके से टच करते हैं और अजीब से इशारे करते हैं। स्कूल की 11 छात्राओं के साथ उन्होंने अनुचित व्यवहार किया। विरोध करने पर मार्कशीट से खिलवाड़ कर दिया। उनके इस व्यवहार पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर हमने स्कूल में ताला लगा दिया।

एक अन्य पीड़िता रिया (बदला हुआ नाम) ने कहा कि प्रिंसिपल जीपी वर्मा के गलत व्यवहार से हम कंफर्टेबल नहीं है। उनके इस व्यवहार के बाद हमारे साथ भेदभाव किया जा रहा है। बायोलॉजी के स्टूडेंट्स हमें अलग कर देते हैं। नए टीचर आने के बाद भेदभाव खत्म होना चाहिए।

स्कूल में ताला लगाने पहुंचे अभिभावक राज कुमार ने कहा कि प्रिंसिपल छात्रा के साथ बहुत दिनों से मनमानी कर रहा है। ब्रेक के समय में उन्हें बुलाकर व्यक्तिगत बात करता है, शारीरिक तौर पर प्रताड़ित करता है। कई ऐसी बातें हैं जिन्हें छात्रा बता नहीं पाती। हम सबूत के साथ ष्ठश्वह्र को आवेदन दिया लेकिन उन्होंने अनसुना कर दिया।

स्कूल में ताला लगाने के 4 घंटे बाद तहसीलदार रमेश मेहता ने पहुंचकर डीईओ की मौजूदगी में ताला खुलवाया। तहसीलदार ने भरोसा दिलाया कि सोमवार तक प्रिंसिपल को हटा दिया जाएगा। अधिकारियों ने परीक्षा परिणाम से जुड़े दस्तावेज और पंजी जब्त कर लिया है।

जिला शिक्षा अधिकारी ए के सारस्वत ने कहा कि तत्काल हमने आज प्रभारी प्राचार्य को हटवा दिया है। पहले हुई जांच में प्राचार्य ने सहयोग नहीं किया। दोबारा जांच की जा रही है। सोमवार तक रिपोर्ट कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद आगे अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित, संपादक-संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803,mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा